उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

हरिद्वार, देहरादून से प्रसारित

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र

आपका विश्वास हमारी पहचान

वर्ष: 5 अंक : 18 पृष्ठ : 06 मूल्य 2 रुपये देहरादून, शनिवार 08 अगस्त, 2026 UTTHIN/2022/84700 manasvivani@gmail.com @manasvi_vani 8285002838

हाईकोर्ट बेंच से बदलेगी तराई-भाबर की तस्वीर, रुद्रपुर-पंतनगर में विकास की उम्मीद, ये उम्मीद जगी

नैनीताल। नैनीताल हाईकोर्ट की प्रस्तावित बेंच हल्द्वानी के बेलबाबा क्षेत्र में स्थापित होने पर तराई–भाबर में विकास की नई संभावनाएं बन सकती हैं। इसका सीधा असर रुद्रपुर और पंतनगर पर पड़ने की उम्मीद है। हाईकोर्ट से जुड़े अधिवक्ताओं, वादकारियों, कर्मचारियों और अन्य गतिविधियों के बढ़ने से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, रोजगार और व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिल सकती है। इससे रुद्रपुर–पंतनगर कॉरिडोर के एक नए कानूनी और व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित होने की संभावना है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी में सुधार की उम्मीद

बेलबाबा क्षेत्र में हाईकोर्ट बेंच के लिए परिसर, पार्किंग और आवासीय सुविधाओं के विकास की जरूरत होगी। इसके साथ सड़क, बिजली, पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं को भी विस्तार देना पड़ सकता है। रुद्रपुर–हल्द्वानी मार्ग और पंतनगर एयरपोर्ट से प्रस्तावित बेंच तक बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत होगी। अधिवक्ताओं और वादकारियों की आवाजाही को देखते हुए बस, शटल सेवा और टैक्सी जैसी परिवहन सुविधाओं के विस्तार की भी संभावना है।

जमीन और व्यावसायिक संपत्तियों की बढ़ सकती है मांग

हाईकोर्ट बेंच के आसपास के क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ने पर जमीन और संपत्तियों की मांग बढ़ सकती है। बेलबाबा के अलावा रुद्रपुर और पंतनगर में भी इसका असर पड़ने की संभावना है। अधिवक्ताओं के चेंबर, कार्यालय, होटल, गेस्ट हाउस, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जरूरत बढ़ सकती है। इससे रियल एस्टेट क्षेत्र को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि जमीन की कीमतों में संभावित वृद्धि का वास्तविक आकलन बेंच की स्थापना और उसके बाद विकसित होने वाली गतिविधियों के आधार पर ही किया जा सकेगा।

स्थानीय अधिवक्ताओं और कारोबारियों को लाभ

वर्तमान में ऊधमसिंह नगर के वादकारियों और अधिवक्ताओं को कई मामलों में नैनीताल जाना पड़ता है। प्रस्तावित बेंच के नजदीक आने से यात्रा में लगने वाला समय और खर्च कम हो सकता है। रुद्रपुर और आसपास के अधिवक्ताओं को स्थानीय स्तर पर नए प्रैक्टिस अवसर मिल सकते हैं। इसके अलावा जूनियर अधिवक्ताओं, टाइपिस्ट, स्टांप विक्रेताओं, दस्तावेज लेखकों, होटल–रेस्तरां संचालकों और न्यायालय से जुड़े अन्य कारोबारियों के लिए भी रोजगार और व्यवसाय के अवसर बढ़ने की संभावना है।

हाईकोर्ट शिफ्टिंग से बदलेगी हल्द्वानी की सूरत और सीरत

हल्द्वानी में कैबिनेट ने हाईकोर्ट की स्थापना के लिए बेलबाबा क्षेत्र में 40 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी देकर हल्द्वानी में विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। जानकारों का मानना है कि बेलबाबा क्षेत्र में हाईकोर्ट शिफ्टिंग के बाद कुमाऊं के सबसे बड़े शहर की सूरत बदल जाएगी और यहां रह रहे लोगों को पहले से कहीं अधिक बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे जहां एक ओर प्रापर्टी के दामों में उछाल आएगा वहीं इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे वहीं दूसरी ओर सरकार को कुछ चुनौतियों से भी जूझना होगा।

नैनीताल की अर्थव्यवस्था और सुविधाओं पर पड़ेगा प्रभाव

नैनीताल हाईकोर्ट हल्द्वानी शिफ्ट होने का नैनीताल पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। इससे यहां भीड़भाड़ में कमी हो ना हो आर्थिक दुष्परिणाम अवश्य होंगे और सुविधाओं में भी कमी आएगी। हाईकोर्ट से यहां हजारों लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। अधिवक्ताओं, उनके चौंबरों, स्टेनोग्राफरों, टाइपिस्टों, दस्तावेज तैयार करने वाले कर्मचारियों, कोर्ट से जुड़े कर्मचारियों, होटल व्यवसाय, टैक्सी संचालकों, रेस्तरां, स्टेशनरी दुकानों और किराये के मकानों पर प्रभाव पड़ने की आशंका है।

राजस्व कर निरीक्षक भर्ती के आवेदन की तिथि बढ़ी, लोअर पीसीएस के शेष अभ्यर्थियों के इंटरव्यू 31 से

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने शहरी विकास विभाग में राजस्व एवं कर निरीक्षक के पदों पर भर्ती के लिए चल रही आवेदन प्रक्रिया की तिथि विस्तारित कर दी है। आयोग के सचिव अशोक कुमार पांडेय के मुताबिक, इस भर्ती के लिए चार अगस्त तक की तिथि तय थी। अत्यधिक बारिश के कारण प्रदेश के पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या हो रही है। इससे अभ्यर्थी आवेदन नहीं कर पाए। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए ऑनलाइन आवेदन और शुल्क जमा कराने की तिथि 18 अगस्त कर दी गई है। आठ अगस्त से 18 अगस्त के बीच आवेदन की विंडो वेबसाइट पर दोबारा खोल दी गई है। आवेदन में करेक्शन का मौका 25 अगस्त से मिलेगा। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने लोअर पीसीएस मुख्य परीक्षा पास कर चुके 328 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू 27 जुलाई से शुरू कर दिए थे। बचे हुए 65 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू आयोग 31 अगस्त से तीन सितंबर के बीच कराएगा। इससे पहले आयोग ने सही दस्तावेज उपलब्ध न करा पाने के कारण तीन अभ्यर्थियों अनर्ह की सूची में शामिल करते हुए 16 अगस्त तक प्रत्यावेदन का मौका दिया है। वहीं, 10 पहले से अनर्ह घोषित अभ्यर्थियों को समय पर प्रत्यावेदन न देने के कारण लोअर पीसीएस भर्ती से बाहर कर दिया है।

ओवरटाइम कराया तो देनी होगी दोगुनी मजदूरी, पुरुष-महिला को एक समान वेतन

देहरादून। धामी सरकार ने नए श्रम कानूनों में श्रमिकों की बेहतरी के लिए कई बड़े उपाय करने का निर्णय लिया है। अब कोई कंपनी कर्मचारियों से ओवरटाइम कराएगी तो उसे दोगुनी मजदूरी देना अनिवार्य होगा। कंपनियां कर्मचारियों के बीच लैंगिक भेदभाव नहीं कर पाएंगी। अब समान कार्य के लिए पुरुषों और महिला कर्मचारियों का वेतन एक समान होगा। शुक्रवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में नए श्रम कानून लागू करने का प्रस्ताव पास हो गया है। उत्तराखंड मजदूरी संहिता नियमावली 2026 में सभी कंपनियों के लिए हर महीने की सात तारीख तक वेतन देना अनिवार्य करने पर सहमति बन गई है। नए कानूनों में कर्मचारियों का वेतन डिजिटल माध्यम से देना अनिवार्य होगा। इससे कर्मचारियों की वेतन संबंधी शिकायतों को कम करने में सहायता मिलेगी। नए श्रम कानूनों में कंपनी और कर्मचारियों के बीच वेतन संबंधी विवाद होने पर एक कमेटी के द्वारा इसका समयबद्ध समाधान तलाशने के कानूनी उपाय होंगे। उत्तराखंड पहले ही अपने श्रमिकों को सबसे अधिक वेतन दिलाने का कार्य कर रहा है। नई श्रम नियमावली में भी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि कंपनियां किसी भी कर्मचारी को निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से कम भुगतान नहीं कर सकेंगी।

गांवों में 4जी टावर लगने से मजबूत होगी संचार सुविधा

भीमताल (नैनीताल)। जिले के दूरस्थ विकासखंड ओखलकांडा, बेतालघाट, रामगढ़ और धारी के गांवों में ग्रामीणों को बेहतर नेट कनेक्टिविटी देने के लिए बीएसएनएल आठ नए 4जी नेटवर्क के टावर लगाने जा रहा है। हर विकासखंड की ग्राम पंचायत में फाइबर नेट लगाने का काम भी चल रहा है। नए टावर लगाए जाने और फाइबर लाइन बिछने से ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार की सुविधा बेहतर होगी है। जिले के ओखलकांडा ब्लॉक में ग्रामीणों को सबसे अधिक नेटवर्क संबंधी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

मानीगैर तोक को जोड़ने वाला पुल बहा

बाहरी दुनिया से कटे 5 परिवार, ग्रामीणों को याद आया पिछली आपदा का मंजर

मनस्वी वाणी संवाददाता

अल्मोड़ा। बागेश्वर जिले के पौंसारी के मानीगैर तोक में हुई मूसलाधार बारिश ने लोगों को पिछले साल 28 अगस्त की याद दिला दी। आसमान से बरसी आफत में तोक को जोड़ने वाला एकमात्र लकड़ी का पुल बह गया है। यहां रहने वाले पांच परिवारों पर भी खतरा मंडराने लगा है। बाहरी दुनिया से आवाजाही का संपर्क कटने से ग्रामीण तोक में कैद होकर रह गए हैं। जरूरी कार्य के लिए लोग जान जोखिम में डालकर गधेरा पार करने को मजबूर हैं। बृहस्पतिवार की देर शाम से रात तक कनलगढ़ क्षेत्र में तेज बारिश हुई। गधेरे के समीप बसे मानीगैर तोक के लोगों की पूरी रात जागते हुए कटी। सुबह उठने पर लोगों ने गांव का रुख किया तो गधेरे में बना पुल कहीं नजर नहीं आया। लोगों को जलस्तर कम होने का इंतजार है। शुक्रवार को स्कूल जाने वाले छात्र–छात्राएं भी घरों में कैद होकर रह गए हैं। राजकीय इंटर कॉलेज कन्यालीकोट में 11वीं के छात्र विनोद कुमार, राजूहा बैसानी में कक्षा 10 के छात्र करन कुमार और आठवीं की एक छात्रा पुल टूटने से स्कूल नहीं जा सकीं। ग्रामीणों की दिनचर्या में शामिल खेतीबाड़ी, पशुपालन का काम भी बाधित रहा। पुल बह जाने के कारण आज हम स्कूल नहीं जा पाए। नदी का बहाव इतना खतरनाक है कि बिना पुल के रास्ता पार करना संभव नहीं है। इस तरह मार्ग बंद होने से हमारी पढ़ाई का भारी नुकसान हो रहा है। सुनीता, स्कूली छात्रा

बारिश शुरू होते ही हमारी सांसे अटक जाती हैं। रात भर बच्चे सहमे रहते हैं। अब पुल टूटने से न तो घर से बाहर निकलना मुमकिन है और न ही रोजमर्रा के जरूरी कार्यों के लिए बाजार या अन्य जगहों पर जा पा रहे हैं। दीपा देवी, ग्रमीण महिला

पौंसारी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से स्थिति बहुत भयावह हो जाती है। पिछले साल की आपदा का डर आज भी हमारे दिलों में ताजा है। प्रशासन को इस संवेदनशील तोक के लिए जल्द से जल्द कोई स्थायी और मजबूत समाधान निकालना चाहिए।

देव राम, ग्रामीण

सूचना मिलते ही संबंधित ठेकेदार को कड़े निर्देश दे दिए गए हैं। जल्द ही पुल की मरम्मत का कार्य पूरा कर मार्ग को पुनः बहाल कर लिया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिल सके। आर चंद्रा, ईई, ग्रामीण निर्माण विभाग बागेश्वर

मल्ली बमौरी में टूटी पेयजल लाइन, मुखानी तक का पानी बंद

हल्द्वानी। मुखानी नहर कवरिंग रोड पर मल्ली बमौरी में पानी की पाइप लाइन टूटने से 20 हजार से अधिक आबादी क्षेत्र की जलापूर्ति ठप हो गई। इससे मुखानी, बसंत विहार, जज फार्म, तल्ली बमौरी आदि क्षेत्रों में पेयजल संकट बना रहा।

यूयूएसडीए की ओर से इन दिनों मल्ली बमौरी क्षेत्र में सीवरेज संबंधी कार्य कराया जा रहा है। बीते बृहस्पतिवार की शाम निर्माण कार्य के दौरान जल संस्थान की गौला के पानी की सप्लाई वाली 12 इंच की लाइन टूट गई। इससे जलापूर्ति ठप होने के साथ ही पानी सड़क पर बहने लगा। सूचना पर जल संस्थान की ओर से पानी बंद कर दिया गया। इससे बृहस्पतिवार शाम और आज सुबह पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई। शुक्रवार दोपहर कार्यदायी संस्था की ओर से लाइन को दुरुस्त किया गया।

दमुवाढूंगा के हल्दीखाल और हिम्मतपुर तल्ला क्षेत्र में ट्यूबवेल खराब होने से पांच हजार से अधिक की आबादी के समक्ष पेयजल संकट खड़ा हो गया है। जल संस्थान के सहायक अभियंता हरीश पंत ने बताया कि ट्यूबवेलों की मरम्मत चल रही है। फिलहाल प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों से पानी बांटा जा रहा है।

पाइप लाइन टूटने से कुछ क्षेत्रों में पानी का संकट बना रहा। यूयूएसडीए की ओर से पाइप लाइन ठीक कर दी गई है।

– रवींद्र कुमार, सहायक अभियंता, जल संस्थान

आपदा प्रभावित क्षेत्रों की समस्याएं दूर करें अधिकारी रू मदन कौशिक

भीमताल (नैनीताल)। आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक ने अधिकारियों से आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर उन क्षेत्रों में हुए नुकसान को दूर करने निर्देश दिए हैं। विकास भवन सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यशाला में मंत्री कौशिक ने कहा कि आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत बनाकर आधुनिक तकनीक को भी अपनाया जा रहा है। आपदा क्षेत्र से सभी विभागों, एजेंसी और संगठनों को लगातार जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में आपदा से निपटने के लिए पूरे प्रयास किए गए हैं। उन्होंने नैनीताल जिले में भूस्खलन जोन में सुधारीकरण, बरसात में क्षतिग्रस्त सड़कों को भी जल्द–से–जल्द सही कराने को कहा। नैनीताल की विधायक सरिता आर्या ने बलियानाला, आलूखेत, भूमियाधार क्षेत्र में भूस्खलन की समस्या जल्द हल कराने को कहा। दायित्वधारी भावना मेहरा ने भीमताल कुआंताल में बरसात के समय मलबा आने से लोगों को होने वाली समस्या का निस्तारण करने की मांग की।

राज्य आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रुहेला ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य आपदा प्रबंधन को लेकर जिले में सभी विभागों के मध्य आपसी सामंजस्य बनाकर आपदा के प्रति सजग रहना है। लेफ्टिनेंट कर्नल (सेनि.) रघुवीर सिंह भंडारी ने आपदा के दौरान त्वरित कार्रवाई, खोज, बचाव और प्रबंधन को लेकर जागरूक किया। आपदा अपर सचिव प्रकाश चंद्र और डीएम ललित मोहन रयाल ने बताया कि विभागीय अधिकारियों को आपदा से बचाव और राहत को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ डॉ. पीडी माथुर, डॉ. वेदिका पंत और निखिल पुनिया ने भी जानकारी दी। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दर्मवाल, सीडीओ अरविंद कुमार पांडेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल जोशी, मनोज भट्ट, अनिल चनौतिया, दिनेश सांगुड़ी, मीनाक्षी भगत, गौतम मटियाली आदि मौजूद रहे।

बेलबाबा क्षेत्र में हाईकोर्ट शिफ्टिंग से बदलेगी हल्द्वानी की सूरत और सीरत

हल्द्वानी। केबिनेट ने हाईकोर्ट की स्थापना के लिए बेलबाबा क्षेत्र में 40 हेक्टेयर वन भूमि हस्तांतरित करने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी देकर हल्द्वानी में विकास के नए द्वार खोल दिए हैं। जानकारों का मानना है कि बेलबाबा क्षेत्र में हाईकोर्ट शिफ्टिंग के बाद कुमाऊं के सबसे बड़े शहर की सूरत बदल जाएगी और यहां रह रहे लोगों को पहले से कहीं अधिक बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे जहां एक ओर प्रापर्टी के दामों में उछाल आएगा वहीं इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे वहीं दूसरी ओर सरकार को कुछ चुनौतियों से भी जूझना होगा।

गौला नदी में नहा रहे गोंडा के किशोर की मौत, भाई को बचाया

मनस्वी वाणी संवाददाता

हल्द्वानी। गौला नदी में नहाने गए गोंडा निवासी अहमद (15) की डूबकर मौत हो गई। किशोर अपने भाई के साथ नदी में कपड़े धोने गया था। सूचना पर पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंचे और शव को पानी से बाहर निकाला।

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के ढढुवा बलहरि ददुआ निवासी अल्लाह रक्खा पुत्र मोहम्मद रफीक 10 दिन पहले अपने छोटे भाई 15 वर्षीय अहमद अली के साथ हल्द्वानी आया था। दोनों यहां जवाहरनगर में झोपड़ी में रह रहे थे। शुक्रवार सुबह दोनों भाई हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के पास से गौला नदी में पहुंचे। दोपहर 12 बजे अल्लाह रक्खा नदी के पास ही कपड़े धो रहा था। इस दौरान अहमद नदी में नहाने चला गया और गहराई में दलदल में फंसकर डूबने लगा।

उसके शोर मचाने पर अल्लाह रक्खा और आसपास मौजूद लोग उसे बचाने के लिए दौड़े। इस बीच अल्लाह रक्खा भी डूबने लगा तो उसे बचा लिया गया लेकिन अहमद डूब चुका था। सूचना पर पहुंचे पुलिस के गोताखोरों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अहमद का शव नदी में काफी गहराई से बरामद किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में भेज दिया है।

काम की तलाश में आए थे दोनों भाई

अल्लाह रक्खा ने बताया कि वह कुछ दिन पहले रुद्रपुर आया था। वहीं से काम की तलाश में वह भाई के साथ यहां रिश्ते की मौसी के घर आया था। आठ दिन यहां काम की तलाश की लेकिन काम नहीं मिला। शुक्रवार को जुम्मे की वजह से वह नदी में कपड़े धोने गया था। इसी दौरान भाई कब नदी के पास पहुंच गया इसका पता नहीं चल पाया। उसने बताया कि वे यहां फेरी करने आए थे।

पोस्टमार्टम न कराने की लगाई गुहार

अहमद की पोस्टमार्टम न कराने की गुहार लेकर उसके परिजन सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी से मिले लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी गई। सिटी मजिस्ट्रेट बाजपेयी ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अंतर्गत दी गई व्यवस्था के अनुसार किसी भी अप्राकृतिक मृत्यु की दशा में पोस्टमार्टम एवं पुलिस जांच अनिवार्य है।

संदिग्ध परिस्थितियों में टैक्सी चालक की मौत

रामनगर। टांडा मल्लू निवासी टैक्सी चालक की शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। चालक सुबह टांडा निवासी एक महिला के घर गया था। रात को वह घर के बरामदे में अचेत अवस्था में मिला। परिजन उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक के हाथ और गर्दन पर चोट के निशान मिलने से मामला संदिग्ध माना जा रहा है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार टांडा मल्लू निवासी रवि सैनी (26) पुत्र दुर्गा सैनी टैक्सी चलाता था। शुक्रवार सुबह वह टांडा निवासी एक महिला के घर गया था। रात को महिला ने परिजनों को सूचना दी कि रवि उसके घर के बरामदे में अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे रामनगर के एक निजी अस्पताल लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि युवक के हाथ पर कट का निशान और गर्दन पर नुकीली वस्तु से चोट के निशान मिले हैं। प्रथम दृष्टया मौत संदिग्ध प्रतीत हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रवि दो भाइयों में छोटा था।

उत्तराखंड में नकली डेयरी उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध

हल्द्वानी। उत्तराखंड में अब नकली और अमानकीकृत डेयरी उत्पादों की बिक्री नहीं हो सकेगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत पूरे प्रदेश में डेयरी एनालॉग और गैर–दुग्ध उत्पादों के निर्माण, भंडारण, परिवहन और विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने कहा कि विभागीय जांच, प्रयोगशाला विश्लेषण और जोखिम मूल्यांकन के बाद यह पाया गया कि बाजार में ऐसे कई उत्पाद बिक रहे हैं जो पनीर, क्रीम, मक्खन जैसे दिखते हैं लेकिन उनमें दूध के स्थान पर वनस्पति वसा, वनस्पति तेल और अन्य गैर–दुग्ध अवयव मिलाए जाते हैं। यह प्रतिबंध उन सभी उत्पादों पर लागू होगा जो वास्तविक दुग्ध उत्पाद नहीं हैं। हालांकि फ्रोजन डेजर्ट, प्रोसेस्ड चीज और मिक्स्ड फैट स्प्रेड जैसे मानकीकृत उत्पादों को छूट दी गई है।

सम्पादकीय

कॉकरोच अब किस दिशा में बढ़ेंगे

जंतर–मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन खत्म हो चुका है और धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया है। इस बीच प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ज्यादती को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिन पर सुनवाई चल रही है। इस तरह देखा जाए तो कॉकरोच जनता पार्टी ने मोदी सरकार के नुमाइंदों के साथ मिलकर जो समझौता किया था और महीने भर से ऊपर चला आंदोलन खत्म हुआ था, तो अब कॉकरोच जनता पार्टी किस दिशा में आगे बढ़ेगी। क्या वह किसी राजनैतिक दल में तब्दील होगी, या फिर शिक्षा व्यवस्था के जो अनसुलझे सवाल हैं, उन्हें उठाएगी, या उसकी भूमिका बस यहीं तक सीमित थी, ऐसे कई सवालों पर जवाब मिलने अब शुरु हो गए हैं। बुधवार और गुरुवार दो दिनों तक कॉकरोच जनता पार्टी की बैठक चली और अब अभिजीत दिपके ने गुरुवार को अपने अगले कदम के बारे में बताया है। दिपके के मुताबिक सीजेपी अब देश भर में एक नयी मुहिम छेड़ रही है, जिसका नाम होगा श्क्या बोलती पब्लिकश। इस मुहिम की घोषणा करते हुए दिपके ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को समझना और उनके लिए काम करना होगा। बकौल, दिपके इस अभियान का सबसे पहला ध्यान शिक्षा क्षेत्र पर होगा, धीरे–धीरे इसे अन्य मुद्दों पर भी केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सबसे पहले ध्यान इसलिए दिया गया है क्योंकि स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की बढ़ती फीस की वजह से कई परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध नहीं करवा पाते। उन्होंने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हमारा पहला मुद्दा होगा। इस पर हमें काम करना है। हमारा मानना है कि देश में शिक्षा महंगी हो गई है। पहली कक्षा के लिए सालाना फीस 1 लाख रुपए से लेकर 2 लाख रुपए के बीच है। इसके अलावा कई जगह डोनेशन भी चलता है। दिपके ने सवाल उठाया कि देश में लोगों की आय इतनी कम है। आखिर वह कैसे अपने बच्चों को इतनी फीस देकर पढ़ा पाएंगे? कॉलेज और कोचिंगों की महंगी फीस कई परिवारों को कर्ज के जाल में फंसा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कॉकरोच पार्टी छात्रों के और तमाम परिवारों के इस आर्थिक बोझ को कम करना चाहती है। अभिजीत दिपके ने भीम राव अंबेडकर का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा पर सभी का अधिकार है। शिक्षा को सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। लेकिन आज के समय में शिक्षा केवल एक मुनाफे का धंधा बन चुकी है। अभिजीत दिपके की ये बातें भारतीय राजनीति के लिए देजा वू पल समान लग रही हैं। फ्रेंच भाषा से लिए गए इस शब्द का अर्थ है पहले से देखा या महसूस किया हुआ। ज्यादा नहीं बस डेढ़ दशक पहले 26 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनी थी। अरविंद केजरीवाल की बनाई यह पार्टी इंडिया अगेंस्ट करप्शन नाम के अभियान से ही निकली थी। आम आदमी पार्टी ने भी जनता पर पकड़ बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर ही जोर दिया। और इसमें कोई संदेह नहीं कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो चाहे सरकारी स्कूल हों या मोहल्ला क्लिनिक की अवधारणा इनसे लाखों लोगों की जिंदगी में सहूलियत बढ़ी। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बहुत हद तक आप सरकार ने सुधार किया था। फरवरी 2020 में जब ट्रंप भारत के दौरे पर थे, तो अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने एक सरकारी स्कूल का दौरा भी किया था। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के वक्त यही दावा किया था कि वह राजनीति में बदलाव करेगी और मौजूदा चलन से हटकर काम करके दिखाएगी। लेकिन राजनैतिक मजबूरी कहें या महत्वाकांक्षा, आम आदमी पार्टी भी अब उसी रवैये पर चलती है जैसे बाकी राजनैतिक दल। भाजपा के विरोध में आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनना मंजूर किया और उसी कांग्रेस से हाथ मिलाया, जिसकी मुखालफत वो करती रही है। लेकिन अब उसे इस गठबंधन में सहजता महसूस नहीं हुई तो वह अलग भी हो गई है। भविष्य में आम आदमी पार्टी क्या अकेले ही रहेगी या फिर किसी गठबंधन का हिस्सा बनेगी यह कहना कठिन है। ठीक ऐसे ही अब कॉकरोच जनता पार्टी का हाल भी दिख रहा है। क्या बोलती पब्लिक में जिस पब्लिक पर जोर दिया जा रहा है, वह आम आदमी ही है। बेशक अभिजीत दिपके ने अभी कहा है कि वह राजनीतिक पार्टी नहीं बनेंगे। बल्कि स्थानीय स्तर पर सुधार करने के लिए एक प्रेशर ग्रुप यानी दबाव बनाने वाले समूह की तरह काम करेंगे। और जनता के बीच जाकर जानेंगे कि लोग देश के मौजूदा हालात के बारे में क्या सोचते हैं और उन्हें किन मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन बिना राजनैतिक आधार के क्या वे केवल प्रेशर ग्रुप बनाकर उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, जिसके लिए कॉकरोच जनता पार्टी बनी है। बेशक मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की टिप्पणी से आहत होकर उसके लिए दिए गए जवाबी तंज में कॉकरोच जनता पार्टी बनी है।

डॉ. एम. एस. स्वामीनाथनः भारत की हरित क्रांति के जनक

प्रदीप पाटिल

वैज्ञानिक कार्यपद्धति, अभिनव प्रयोग, प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप तथा किसानों के साथ जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से उन्होंने भारतीय कृषि की दिशा और दशा दोनों बदल दी। 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु में जन्मे डॉ. स्वामीनाथन ने अपना सम्पूर्ण जीवन खाद्य सुरक्षा।

भारत रत्न डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में याद किया जाता है। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके दूरदर्शी एवं क्रांतिकारी योगदान ने भारत को खाद्यान्न संकट से उबारकर विश्व के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देशों में शामिल कर दिया। वैज्ञानिक कार्यपद्धति, अभिनव प्रयोग, प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप तथा किसानों के साथ जमीनी स्तर पर जुड़ाव के माध्यम से उन्होंने भारतीय कृषि की दिशा और दशा दोनों बदल दी। 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु में जन्मे डॉ. स्वामीनाथन ने अपना सम्पूर्ण जीवन खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा टिकाऊ (सस्टेनेबल) कृषि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित किया। 1960 के दशक में जब भारत बार–बार अकाल, खाद्यान्न संकट और आयात पर निर्भरता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था, तब डॉ. स्वामीनाथन ने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नेतृत्व से देश की कृषि व्यवस्था में ऐतिहासिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। डॉ. स्वामीनाथन का सबसे महत्वपूर्ण योगदान भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप उच्च उपज देने वाली गेहूं एवं धान की किस्मों का विकास और प्रसार था। उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग सहित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों के साथ मिलकर मेक्सिको की कम ऊंचाई वाले गेहूं की किस्मों को भारत में लाने और उन्हें भारतीय किस्मों के साथ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन नई किस्मों ने भारत की जलवायु एवं कृषि परिस्थितियों में बेहतरीन परिणाम दिए। इस हरित क्रांति की शुरुआत पंजाब और हरियाणा से हुई और शीघ्र ही पूरे देश में फैल गई। डॉ. स्वामीनाथन ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) को एक सशक्त एवं गतिशील संस्था के रूप में विकसित किया, जिसने कालांतर में वैज्ञानिकों, किसानों और नीति–निर्माताओं के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में कृषि अनुसंधान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रहकर किसानों की वास्तविक समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो गया। डॉ. स्वामीनाथन अपने समय से बहुत आगे की सोच रखने वाले वैज्ञानिक थे। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग तथा भूजल के अंधाधुंध दोहन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति समय रहते चेताया। उन्होंने श्सदाबहार क्रांतिश (एवरग्रीन रिवोल्यूशन) की अवधारणा प्रस्तुत की, जिसका उद्देश्य पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए कृषि उत्पादन में वृद्धि करना था। डॉ. स्वामीनाथन ने जैविक खेती, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण को विशेष महत्व दिया। डॉ. स्वामीनाथन ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि आधुनिक विज्ञान का लाभ छोटे एवं सीमांत किसानों तक भी पहुंचे। उन्होंने किसानों के बीजों को सुरक्षित रखने, उपयोग करने और साझा करने के अधिकारों का पुरजोर समर्थन किया। उनके प्रयासों से पौधा–किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001 अस्तित्व में आया, जिसे अभिनव प्रयोग और परंपरा के संतुलन का वैश्विक उदाहरण माना जाता है। राष्ट्रीय किसान आयोग के अध्यक्ष के रूप में वर्ष 2006 में प्रस्तुत उनकी रिपोर्ट में अनुशंसा की गई कि फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उत्पादन लागत से कम–से–कम 50 प्रतिशत अधिक होना चाहिए। किसानों को उचित मूल्य, ग्रामीण आधारभूत संरचना तथा संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने का उनका दृष्टिकोण आज भी भारत की कृषि नीति का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। भावी दिशा– आज भारत जलवायु परिवर्तन, बाजार की अनिश्चितता तथा जल संकट जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में डॉ. स्वामीनाथन की सोच हमें आगे बढ़ने का स्पष्ट मार्ग दिखाती है। इसके लिए आईसीएआर जैसी संस्थाओं का आधुनिकीकरण तथा कृषि विस्तार सेवाओं को गांव–गांव तक पहुंचाया जाना जरूरी है ताकि प्रत्येक किसान नवीनतम अनुसंधान, तकनीक एवं कृषि सलाह से जुड़ सके। इसी प्रकार मोबाइल ऐप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डिजिटल कियोस्क जैसी आधुनिक और नवोन्मेषपूर्ण तकनीकों का व्यापक उपयोग लाभप्रद होगा। जैविक खेती, सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), मृदा परीक्षण तथा जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा एवरग्रीन रिवोल्यूशन की अवधारणा को व्यवहार में उतारने के लिए किसानों को जलवायु–अनुकूल कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाना भी जरूरी है। सभी राज्यों एवं प्रमुख फसलों में न्यूनतम समर्थन मूल्य का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। छोटे, सीमांत, बटाईदार, महिला एवं जनजातीय किसानों के लिए संस्थागत ऋण, फसल बीमा तथा बेहतर बाजार सुविधाओं तक पहुंच आसान बनाई जाए।

भारत में बढ़ती असमानता

राजेश पांडेय

भारत को हमेशा चमकीली संभावनाओं का देश माना जाता है। पुराने दौर में उसके लिए सोने की चिड़िया विशेषण का इस्तेमाल होता था। उसमें दुनिया की बड़ी ताकत के बतौर उभरने की क्षमता रही है। लेकिन वर्तमान स्थिति खोए हुए अवसरों की अनंत कथा के रूप में तब्दील हो गई है। पिछले कुछ वर्षों से देश में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ी है। राजनीतिक सत्ता के समान संपत्ति और साधन चंद लोगों के हाथों में सिमट गए हैं। नीतियों और प्राथमिकताओं में कुछ अमीरों को ज्यादा अहमियत मिल रही है। विश्व बैंक के आंकड़े और कई विशेषज्ञों के निष्कर्ष हालात की सही तस्वीर पेश करते हैं। जानकारी छिपाने और तोड़–मरोड़कर तथ्य पेश करने में माहिर सरकार भी कई बार सच बता देती है। भारत ने आजादी के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया था। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार का झुकाव समाजवाद और पूर्व सोवियत संघ की व्यवस्था की तरफ था। सरकार ने कई उद्योगों की बुनियाद रखी और बड़े बांध बनाए। विशुद्ध पूंजीवाद के पैरोकार कई अर्थशास्त्री देश की अपेक्षाकृत धीमी विकास दर के लिए इस मॉडल को जिम्मेदार मानते हैं। खासतौर से 2014 के बाद तो देश की तमाम समस्याओं का ठीकरा नेहरू के कार्यकाल पर फोड़ने का सिलसिला चल पड़ा है। बहरहाल, पं. नेहरू के दौर में बने एक विराट सार्वजनिक क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए। कुछ नए शहर अस्तित्व में आए, अर्थव्यवस्था को सहारा मिला और अवसरों में आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़ी थी। एक बेहद पिछड़े देश ने विकास की दौड़ में बड़े देशों से होड़ करने का सपना देखा था। विकास के नेहरूवादी मॉडल में आगे जाकर कई सरकारों ने बदलाव किए हैं। लेकिन आर्थिक गैरबराबरी नए शिखर स्पर्श कर रही है। यहां हम आय, संपत्ति, उत्पादन के तुलनात्मक आंकड़ों से विकास की वास्तविक स्थिति का काफी हद तक मूल्यांकन कर सकते हैं। पेरिस इकानॉमिक्स स्कूल की विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के मुताबिक भारत में कुछ लोगों के हाथ में संपत्ति और आय के जमा होने का स्तर चरम पर पहुंच गया है। वह दुनिया के सबसे ज्यादा असमान देशों की श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय आय के 58 प्रतिशत हिस्से पर टॉप दस प्रतिशत लोगों का कब्जा है। दूसरी ओर सबसे निचली सीढ़ी पर बैठे 50 प्रतिशत लोगों के हिस्से में सिर्फ 15 प्रतिशत आमदनी आई है। कुल राष्ट्रीय आय के 40 प्रतिशत के मालिक एक फीसदी लोग हैं। विश्व बैंक की जुलाई 2026 में जारी एक रिपोर्ट में भारत को निम्न मध्यम आय की अर्थव्यवस्था बताया गया है। यह दर्जा 2009 से चल रहा है। मतलब पिछले 15–16 वर्षों से स्थिति लगभग यथावत है। भारत के महाशक्ति बनने की संभावनाएं वर्षों से जताई जा रही हैं। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद तो विश्व गुरु, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था सहित कई दावे जोर–शोर से किए जा रहे हैं। लेकिन इन दावों पर संदेह बढ़ा है। इंडियन एक्सप्रेस में अभी हाल प्रकाशित सी राजामोहन के लेख में दो विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि भारत में बड़ी ताकत बनने की कई खूबियां हैं पर इतनी नहीं कि वह दुनिया की व्यवस्था को आकार दे सके। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के इतिहासकार ब्रेंडन सिम्स ने अपनी नई किताब– द रिटर्न ऑफ ग्रेट पावर्स में भारत को फ्रांस, जर्मनी और जापान के साथ महाशक्ति बनने की कगार पर खड़े देशों की सूची में रखा है। वे लिखते हैं यदि अगले दशक में भारत का कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ब्रिटेन, जापान और जर्मनी से अधिक हो जाता है तब भी वह अमेरिका और चीन से बहुत पीछे तीसरे स्थान पर रहेगा। फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में एक लेख में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के माइकेल बेकले की दलील है, विश्व राजनीति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका तो बनी रहेगी लेकिन अपनी कई घरेलू कमजोरियों के कारण उसके वास्तविक महाशक्ति बनने की संभावना नहीं है। ये घरेलू कमजोरियों कौन सी हैं? 2014 के बाद धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ा है, सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई ने राजनीतिक दलों के साथ औद्योगिक, व्यावसायिक हलकों में डर पैदा किया है। उद्योगपति निवेश करने में हिचकिचा रहे हैं। केंद्र सरकार के मंत्री कभी चेतावनी तो कभी सवाल पूछने के अंदाज में कहते हैं, समझ में नहीं आता है उद्योगपति निवेश करने से पीछे क्यों हट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में प्राइवेट सेक्टर का निवेश जीडीपी के 11 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं मनमोहन सिंह के कार्यकाल में यह 14 प्रतिशत था। यह स्थिति उस वक्त है जब मोदी सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स की दर 2019 में 30प्रतिशत से घटाकर 22प्रतिशत कर दी। अब उद्योगपति सरकार के फैसलों, उसकी नीतियों पर सवाल उठाने की बजाय उसकी तारीफ करने में लगे रहते हैं। हर बजट का जमकर स्वागत होता है। कुछ साल पहले तक उद्योगपति राहुल बजाज सरकार के खिलाफ खुलकर बोलते थे। फरवरी 2022 में उनके निधन के बाद उद्योग क्षेत्र से ऐसी कोई असरदार आवाज सामने नहीं आई है। कॉरपोरेट सेक्टर जोखिम भी नहीं उठा रहा है। उसका ध्यान किराए, ब्याज, शेयर बाजार के लाभांश और वायदा बाजार जैसी रेंटियर गतिविधियों पर ज्यादा है। 2012–13 से 2023–24 के आयकर रिटर्न के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है, व्यावसायिक गतिविधियों से कंपनियों की कुल कर योग्य आय 57.3प्रतिशत से गिरकर 54.3प्रतिशत पर आ पहुंची थी। न्यूयॉर्क के थिंक टैंक रोडियम ग्रुप और ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट का निष्कर्ष है, मैन्युफैक्चरिंग में भारत आगे नहीं बढ़ सका है। चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट और अमेरिका से व्यापार युद्ध ने दूसरे देशों के लिए आर्थिक फायदा उठाने के मौके बनाए हैं। लेकिन भारत के मुकाबले इस स्थिति को वियतनाम, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको जैसे देशों ने ज्यादा भुनाया है। पश्चिमी देशों की कई कंपनियों ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग चीन से हटाकर इन देशों में स्थानांतरित कर दी है।

मेष :– कोई छोटी बात भी परिवार कें तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नये उत्साह का संचार करेगी। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

बृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्क :– भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का ठीक डंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– छोटी–छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे–संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुला :– वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक :– जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनुः– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला–जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

परीक्षा लीक से नहीं, पुरानी 'एकाधिकार व्यवस्था' से लड़ें

एम. मुनीर

जांच प्रक्रिया तेज होगी। विशेष अदालतें त्वरित न्याय प्रदान करेंगी। संसद ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि परीक्षाएं किसी क्राइम थ्रिलर जैसी लगने लगें, तो शायद आपराधिक कानून को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

भारत ने परीक्षा धोखाधड़ी के खिलाफ जंग छेड़ दी है। पेपर लीक के मामले में अब जेल की अधिक सख्त सजा होगी। संगठित नकल सिंडिकेटों को भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। जांच प्रक्रिया तेज होगी। विशेष अदालतें त्वरित न्याय प्रदान करेंगी। संसद ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यदि परीक्षाएं किसी क्राइम थ्रिलर जैसी लगने लगें, तो शायद आपराधिक कानून को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। लेकिन क्या हो, अगर पेपर लीक बीमारी ही न हो? क्या होगा अगर परीक्षा प्रणाली खुद ही एक बीमारी हो? हर साल, लाखों छात्र अपनी किशोरावस्था एक ऐसी परीक्षा की तैयारी में लगा देते हैं, जो सिर्फ कुछ घंटों तक चलती है लेकिन अगले 40 वर्षों के उनके करियर का मार्ग तय करती है। फिर जब प्रश्नपत्र लीक होता है, तो हम हैरान होने का नाटक करते हैं। अत्यधिक जोखिम वाली प्रणालियां अक्सर बड़े अपराधों को जन्म देती हैं। भारत का कोचिंग उद्योग करियर की चिंता और आशंकाओं पर फलता–फूलता है और यह हमारी प्रवेश प्रणाली के कारण अस्तित्व में है। इसका वार्षिक राजस्व 60,000 करोड़ रुपए अनुमानित है और इसके लगातार बढने की उम्मीद है। परिवार अनिवार्य रूप से एक 'लॉटरी' के लिए प्रति माह 50,000 रुपए से अधिक खर्च करते हैं और कुछ तो इसके लिए ऋण भी लेते हैं। आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए. आई.) अब भारत को 1947 के बाद से अपने सबसे मौलिक शैक्षिक सुधारों को लागू करने और देश के परीक्षा दर्शन में संशोधन करने का अवसर देती है। पहला विचार सरल है। इन्फोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाले पैनल को यह सिफारिश करके शुरुआत करनी चाहिए कि उम्मीदवारों को प्रत्येक प्रतियोगी परीक्षा में कई अवसर दिए जाएं। विशिष्ट संस्थानों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों को हर महीने सुरक्षित कम्प्यूटर–आधारित परीक्षाएं देने में सक्षम होना चाहिए और रैंकिंग के लिए उनका सर्वोत्तम स्कोर स्वतरू ही चुन लिया जाना चाहिए। ए. आई. संचालित निगरानी, एन्क्रिप्टेड प्रश्न बैंक और एडाप्टिव टैस्ट प्रोटोकॉल इसे संभव बनाते हैं। बहु–अवसर प्रणाली पेपर लीक के प्रोत्साहन को कम करती है क्योंकि कोई भी एक परीक्षा जीवन का अंतिम और एकमात्र फैसला नहीं होती। दूसरा, एक समान प्रश्नपत्रों को समाप्त करें। प्रत्येक उम्मीदवार को एक सत्यापित और हैक–प्रूफ प्रश्न बैंक से ए.आई. द्वारा यादृच्छिक (रैंडमाइज्ड) रूप से तैयार किए गए अद्वितीय प्रश्न मिलने चाहिएं, जो समान कठिनाई स्तरों के लिए कैलिब्रेट किए गए हों। यदि हर प्रश्नपत्र अलग है, तो लीक हुआ पेपर खरीदना जीतने वाले नंबर के घोषित होने के बाद लॉटरी टिकट चुराने जैसा निरर्थक हो जाएगा। तीसरा, यह नाटक करना बंद करें कि स्मरण शक्ति ही बुद्धिमता है। लार्ज लैंग्वेज मॉडल अनगिनत ज्ञान परीक्षणों में पहले से ही मनुष्यों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारी परीक्षाओं को तदनुसार विकसित होना चाहिए। छात्रों को स्मार्टफोन पर आसानी से उपलब्ध फॉर्मूले याद करने के लिए कहने की बजाय, इस बात का परीक्षण करें कि वे अपरिचित समस्याओं को कैसे हल करते हैं, ए.आई. जैनरेटेड उत्तरों का मूल्यांकन कैसे करते हैं, मतिभ्रम का पता कैसे लगाते हैं, डाटा की व्याख्या कैसे करते हैं और बुद्धिमान प्रणालियों के साथ जिम्मेदारी से सहयोग कैसे करते हैं। कल का इंजीनियर ए.आई. की दुनिया में काम करेगा और उसे यह पहचानने में सक्षम होना चाहिए कि कहां और कैसे गड़बड़ी हो रही है। चौथा, एक 'अकादमिक क्रैडिट पासपोर्ट' बनाएं। छात्र एक निश्चित समय अवधि में कई परीक्षाओं, परियोजनाओं, इंटर्नशिप, हैकाथॉन, शोध कार्य, सामुदायिक सेवा और व्यावहारिक मूल्यांकनों में अंक जमा करेंगे। इसके बाद विश्वविद्यालय एक दर्दनाक रविवार की सुबह के प्रदर्शन की बजाय छात्र के पूरे पोर्टफोलियो का मूल्यांकन करेंगे। पांचवां, ए.आई. से प्रतिभा की पहचान करने को कहें, न कि केवल नकल पकडने को। परीक्षा प्रणालियां व्यावहारिक डाटा उत्पन्न कर सकती हैं। छात्र कठिन प्रश्नों को कैसे हल करते हैं, वे गलतियों से कितनी जल्दी उबरते हैं और क्या वे लगातार सुधार करते हैं–उदाहरण के लिए, वे कैसे तर्क देते हैं। यदि नैतिक और पारदर्शी तरीके से उपयोग किया जाए, तो ए.आई. लचीलेपन, रचनात्मकता और सीखने की क्षमता की पहचान कर सकता है, जो वास्तव में मायने रखती है। छठा, और यह कोचिंग उद्योग को डरा देगा, विश्वविद्यालयों को अधिक स्वायत्तता दें। हर इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए एक जैसे प्रवेश मानदंड क्यों होने चाहिएं? कुछ संस्थान नवाचार पर जोर दे सकते हैं अन्य उद्यमिता, अनुसंधान क्षमता या व्यावहारिक योग्यता पर। जब हर संस्थान एक ही प्रवेश परीक्षा का उपयोग करता है, तो उसके लिए तैयारी करने का मतलब खुद को एक आम सांचे में ढालना होता है।

हिन्दी दैनिक

email : manasvivani@gmail.com

दैनिक मनस्वी वाणी

3

देहरादून शनिवार, 08 अगस्त 2026

सांसद बर्क ने आयोग की रिपोर्ट पर उठाए सवाल, कहा– जान हमारी गई, अपराधी भी हम ही साबित हो रहे

लखनऊ/संभल,(एजेंसी)। सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क, मोहिबुल्ला नदवी और विधायक इकबाल महमूद ने संभल बवाल की न्यायिक जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाए। उन्होंने पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए। सांसद एवं सपा नेता जियाउर्रहमान बर्क ने संभल बवाल में न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि बवाल में जान हमारी गई और अपराधी भी हम ही साबित हो रहे हैं। बोले, न्यायिक जांच आयोग के गठन पर उम्मीद थी कि संभल के लोगों को न्याय मिलेगा लेकिन यह उम्मीद भी टूट गई। सांसद ने कहा कि भाजपा सरकार में जो भी न्यायिक जांच आयोग गठित किए जाते हैं, वह इसी तरह की गलत रिपोर्ट तैयार देते हैं। बृहस्पतिवार को संभल में दीपा सराय स्थित अपने आवास पर सांसद बर्क ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि तब पुलिस ने गोली चलाई थी। हमारे पांच निहत्थे भाइयों की जान ली गई थी। यह जुल्म की इंतेहा है। सौ से ज्यादा निर्दोष लोग जेल भेजे गए। इन लोगों के घरों में दूसरा कोई खाने कमाने वाला तक नहीं है। पुलिस पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ बवाल के दिन भी पूरा सिस्टम था। ड्रोन से वीडियो बन रही थी। इसके बाद भी अब तक पुलिस–प्रशासन द्वारा कोई फोटो या वीडियो ऐसा नहीं दिखाया गया है, जिसमें आम लोगों के हाथ में हथियार दिख रहा हो या कोई गोली चला रहा हो।

आम लोगों के हाथ में कोई हथियार नहीं था। इसके बाद भी हमारे लोगों को ही अपराधी बना दिया गया। यह जुल्म की इंतेहा है। रामपुर के सांसद बोले, राजनीतिक रंजिश में शामिल किए नेताओं के नाम संभल। रामपुर के सांसद एवं सपा नेता मोहिबुल्ला नदवी ने कहा है कि सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल का नाम राजनीतिक रंजिश में शामिल किया गया है। नदवी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत की, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि संभल बवाल में पुलिस ने जो गोली चलाई थी, उसमें पांच लोगों की जान गई थी। जनप्रतिनिधियों का काम लोगों को राह दिखाना होता है किसी को उकसाना नहीं होता है। सेवानिवृत्त लोगों ने सरकार के मन की रिपोर्ट तैयार की: विधायक संभल के विधायक एवं सपा नेता इकबाल महमूद का कहना है कि हम सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आयोग को न्यायिक जांच आयोग नहीं मानते हैं। यह सरकार के सेवानिवृत्त लोग थे, जिन्होंने सरकार के मन की रिपोर्ट तैयार की है। बृहस्पतिवार को सपा विधायक ने न्यायिक जांच आयोग की सदन में पेश की गई रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच आयोग की अध्यक्षता मौजूदा जज द्वारा की जानी चाहिए थी। तभी पूरी घटना का सच सामने आता। उन्होंने कहा कि संभल से न हिंदुओं का पलायन हुआ और न किसी मंदिर पर कब्जा किया गया था। दो–तीन विवाद जरूर हुए हैं। 1978 के दंगे में नौ लोगों की जान गई थी। विधायक ने आगे कहा कि सीएम को भी गलत जानकारी दी गई है। वह 1978 के दंगे में बड़ी संख्या में लोगों की हत्या की बात कहते हैं, जबकि उनको सदन में मेरे द्वारा ही बताया गया था कि तब नौ लोगों की जान गई थी। यदि ज्यादा लोगों की जान गई है तो सरकार साबित करे।

35 आरोपी बरी कैसे हो गए,ऊना दलित कांड पर भड़कीं मायावती, गुजरात सरकार को दिया अल्टीमेटम

लखनऊ,संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने गुजरात के ऊना में दलित की पिटाई के मामले में 35 आरोपियों के बरी होने पर राज्य सरकार पर दलितों के प्रति द्वेषपूर्ण रवैया और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अभी भी मौका है और सरकार को उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के वेरावल स्थित विशेष न्यायालय ने इस वर्ष 16 मार्च को 2016 के चर्चित ऊना दलित पिटाई मामले में 5 लोगों को दोषी ठहराया था, जबकि 35 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। इस मामले में मृत गाय की खाल उतार रहे 4 दलित युवकों की बेरहमी से पिटाई की गई थी। इस घटना के बाद देशभर में व्यापक विरोध–प्रदर्शन हुए थे। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में 2016 में दलितों पर हुए जघन्य अत्याचार के मामले में लगभग सभी अभियुक्तों को मार्च में स्थानीय न्यायालय द्वारा बरी किए जाने के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देने के लिए पीड़ित दलित परिवारों को आर्थिक सहित अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह विचलित करने वाली सच्चाई से खासकर बहुजन समाज के लोगों में गहरी चिंता का विषय है। मेरी चिंता का एक प्रमुख कारण यह भी है कि मैं स्वयं पीड़ितों से मिलने गई थी और सच्चाई जानने के बाद मैंने राज्य सरकार से सभी दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। बसपा प्रमुख ने कहा कि देशभर में भारी जनाक्रोश के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का मार्च में बरी हो जाना दलितों के प्रति सरकारी द्वेष तथा उनके हितों और सुरक्षा के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता का ही परिणाम प्रतीत होता है। उन्होंने गुजरात सरकार से आग्रह करते हुए कहा कि अभी भी मौका है। सरकार अपनी गलती सुधारते हुए इस मामले में उच्च न्यायालय के समक्ष प्रभावी पैरवी करे, ताकि सभी दोषियों को कड़ी सजा मिल सके। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और समाज में ऐसा अपराध करने वालों के लिए कड़ा संदेश जाएगा। मायावती ने यह भी कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुरूप सरकारी खर्च पर सक्षम अधिवक्ता उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उनकी सरकार ने भी गरीबों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने का वैधानिक प्रावधान किया था।

सपा के लिए ब्राह्मण सिर्फ वोट बैंक, ब्रजेश पाठक का अखिलेश यादव पर तीखा हमला

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के डिप्टी ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) के ब्राह्मण सम्मेलन और जनेश्वर मिश्र जयंती कार्यक्रम को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ब्राह्मण समाज का सम्मान नहीं करती, बल्कि उसे केवल वोट बैंक के रूप में देखती है। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर जारी अपने बयान में डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा को ब्राह्मणों की याद केवल चुनाव के समय आती है, जबकि सत्ता मिलने पर उसका लाभ केवल एक परिवार तक सीमित रहता है। ब्रजेश पाठक ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी आज भी अंग्रेजों की बांटो और राज करो की नीति पर चल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी को ब्राह्मण वोट के लिए छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की याद आती है, लेकिन शासन करने के लिए केवल अपना परिवार दिखाई देता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ब्राह्मण वोट देकर सत्ता दिलाएं और उस सत्ता पर सपा अपने परिवार की खड़ाऊं रखकर शासन करे, यही उसकी राजनीति बन गई है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जनेश्वर मिश्र की जयंती उनके समाजवादी विचारों और व्यक्तित्व को लोगों तक पहुंचाने का अवसर होनी चाहिए थी, लेकिन कार्यक्रम में उनके विचारों की बजाय राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप और व्यक्तिगत हमले ज्यादा देखने को मिले। उन्होंने कहा कि इससे न केवल जनेश्वर मिश्र की विरासत का अपमान हुआ, बल्कि पूरे ब्राह्मण समाज की गरिमा भी आहत हुई। उन्होंने कहा, ष्मुझे जितनी गालियां देनी हों दीजिए, लेकिन ब्राह्मण समाज की गरिमा को ठेस मत पहुंचाइए। ब्रजेश पाठक ने आरोप लगाया कि मौजूदा समाजवादी पार्टी डॉ. राममनोहर लोहिया और जनेश्वर मिश्र के समाजवादी आदर्शों और राजनीतिक संस्कारों से पूरी तरह भटक चुकी है। उन्होंने कहा कि लोहिया और जनेश्वर मिश्र लोकतांत्रिक संवाद और सदन में सार्थक बहस के पक्षधर थे, जबकि आज की सपा संसद और विधानसभा में जनहित के मुद्दों पर चर्चा के बजाय हंगामा और अवरोध की राजनीति कर रही है। उपमुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष संविधान की प्रति हाथ में लेकर तस्वीरें तो खिंचवाता है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं और संसदीय परंपराओं का सम्मान नहीं करता।

अखिलेश का सीएम योगी पर तंज, बोले–

आज का युवा बेरोजगारी–गरीबी से जूझ रहा, ये बेहद अवांछनीय और अति–निंदनीय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने सरकार पर आरोप लगाया। उनका कहना है कि आज का युवा रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहा है। सरकार कुछ नहीं कर रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर अधिक निवेश की जरूरत है, क्योंकि उत्तर प्रदेश आज भी गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, एमएसपी, बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। श्युवाओं का भविष्य बेहतर बनाया जा सकता थाश सपा प्रमुख ने दावा किया कि यदि शिक्षा क्षेत्र पर ध्यान दिया जाता तो श्केजी से पीजी और रिसर्चश तक की दो–तीन विश्वस्तरीय यूनिवर्सिटी स्थापित की जा सकती थीं, जिससे प्रदेश के बच्चों और युवाओं का भविष्य बेहतर बनाया जा सकता था। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षा और युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने षनियो इंडियाष का जिक्र करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार उत्तर प्रदेश को तरक्की और खुशहाली के रास्ते पर ले जाएगी। टपकमव शेयर कर अखिलेश का तंजय बोले– जोखिम कौन उठाएगा? छह अगस्त को भी अखिलेश ने तंज कसा। लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद सड़क धंसने की घटनाओं और मरम्मत के दौरान पंखों से सड़क सुखाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा– श्भाजपाई तरक्की की नई हवाश। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस एक्सप्रेसवे का कुछ दिन पहले उद्घाटन हुआ हो, उसे इतनी जल्दी बार–बार मरम्मत की जरूरत पड़ना निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि मरम्मत वाले हिस्से को जल्दी सुखाने के लिए पंखों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो स्थिति को और हास्यास्पद बनाता है। उन्होंने सवाल किया कि जब एक्सप्रेसवे उद्घाटन के दो–तीन सप्ताह के भीतर ही कई बार मरम्मत मांग रहा है तो उस पर तेज रफ्तार से सफर करने का जोखिम कौन उठाएगा।

राज्यपाल के भाषण का वीडियो साझा कर अखिलेश का तंज

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश और गुजरात की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आपसी टकराहट ने डबल इंजन को ट्रबल इंजन बना दिया है। सपा प्रमुख ने एक्स पर गोरखपुर में विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बृहस्पतिवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के उद्बोधन का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के बावजूद विश्वविद्यालय की समस्याओं का जिक्र करते हुए उसे तीन माह में ठीक करने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की। अखिलेश यादव ने राज्यपाल के भाषण के वीडियो का अंश साझा करने के साथ ही अपने पोस्ट में लिखा गोरखपुर मॉडल की पोल खोलते–खोलते तुलना के रूप में गुजरात मॉडल की घपलेबाजी की बात भी सामने आ गई। पोस्ट में उन्होंने कहा दोनों में जो बातें समान हैं वो ये हैं कि दोनों जगह भाजपाई सरकार है और भाजपाई महा–भ्रष्टाचार भी। यादव ने इसी पोस्ट में आरोप लगाया आपसी टकराहट ने तो डबल इंजन को ट्रबल इंजन बना दिया है। भारतीय जनता पार्टी की उप्र इकाई ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर यादव की पोस्ट के करीब दो घंटे बाद एक पोस्ट में अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सपा सरकार और मौजूदा भाजपा सरकार का तुलनात्मक पोस्टर साझा किया जिसमें सपा सरकार में 18 माह में 28 दंगे का जिक्र किया गया है जबकि भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया गया है। भाजपा ने इस पोस्ट में कहा, जहां कभी कुशासन, दंगे, माफिया की भरमार थी उसी उप्र में आज डिफेंस कॉरिडोर, डाटा कॉरिडोर की गूंज है।

जालाल लखनवी को समझने के लिए जालाल फहमी एक अहम किताब : हकीम वसीम

लखनऊ,संवाददाता। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) के लखनऊ कैंपस में डॉ. मोहम्मद सईद अख्तर की संपादित किताब जालाल फहमी (1910–2025) का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर मौजूद वक्ताओं ने किताब की खूब सराहना करते हुए इसे जालाल लखनवी की शख्सियत और अदबी (साहित्यिक) खिदमात को समझने के लिए एक अहम दस्तावेज बताया। मुख्य अतिथि एवं सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन यूनानी मेडिसिन के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर हकीम वसीम अहमद आजमी ने कहा कि इस किताब में साल 1910 से 2025 तक जालाल लखनवी पर लिखे गए ज्यादातर महत्वपूर्ण लेखों और शोध सामग्री को बड़ी मेहनत और खूबसूरती से एक जगह जमा किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में जालाल लखनवी पर काम करने वाले शोधार्थियों और लेखकों के लिए यह किताब एक बुनियादी संदर्भ बनेगी। उन्होंने कहा कि डॉ. उमैर मंजर की भूमिका और डॉ. मोहम्मद सईद अख्तर की विस्तृत प्रस्तावना ने इस किताब को और अधिक उपयोगी बना दिया है। उनके मुताबिक, किताब में जालाल लखनवी के बारे में साहित्यकारों, शोधकर्ताओं और आलोचकों की राय को व्यवस्थित ढंग से पेश किया गया है। हकीम आजमी ने बताया कि डॉ. मोहम्मद सईद अख्तर ने मानू, लखनऊ कैंपस से डॉ. उमैर मंजर के निर्देशन में मीर जामिन अली जालाल लखनवी की साहित्यिक सेवाओं का आलोचनात्मक अध्ययन विषय पर पीएचडी की है। इसलिए जालाल लखनवी के साहित्य पर उनकी गहरी पकड़ इस किताब में साफ दिखाई देती है। कैंपस प्रभारी प्रो. हुमा याकूब ने कहा कि इस तरह की अदबी और इल्मी गतिविधियाँ विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होती हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में पूर्व छात्रों का सहयोग हमेशा स्वागत योग्य है। डॉ. मुजाहिदुल इस्लाम ने कहा कि श्जालाल फहमीश केवल बिखरी हुई सामग्री का संग्रह नहीं, बल्कि जालाल लखनवी पर एक गंभीर और उपयोगी शोध है। यह किताब छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों और उर्दू साहित्य में रुचि रखने वालों के लिए बेहद लाभदायक साबित होगी। डॉ. उमैर मंजर ने कहा कि यह किताब जालाल लखनवी की नई पहचान कराने वाली महत्वपूर्ण कृति है। इसके जरिए एक सदी पहले के लखनऊ के अदबी माहौल और जालाल लखनवी के बहुआयामी व्यक्तित्व को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. सईद अख्तर की यह उपलब्धि मानू लखनऊ कैंपस के लिए भी गर्व की बात है। डॉ. इशरत नाहिद ने कहा कि जालाल लखनवी का उर्दू शायरी में बहुत अहम स्थान है। भाषा, शब्दकोश, अरूज और तारीखष्–गोई के क्षेत्र में उनकी सेवाएँ हमेशा याद रखी जाएंगी। उन्होंने कहा कि जालाल फहमी के माध्यम से डॉ. सईद अख्तर ने उनकी अदबी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का सराहनीय काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

क्षत्रिय महासभा ने की यूजीसी नियमों को वापस लेने की मांग

लखनऊ,संवाददाता। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नियमों को वापस लेने की मांग की है। महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर और चयन प्रक्रिया निष्पक्ष होनी चाहिए। इस संबंध में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी 13 सितंबर को बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित होटल परमवीर सभागार में आयोजित होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह ने कार्यक्रम की स्वीकृति प्रदान कर दी है। लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा भारत के संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, लेकिन आज देश में हर राजनीतिक दल के निशाने पर अगड़ा समाज, खासकर क्षत्रिय वर्ग है। उन्होंने इस सिलसिले में 20 सितंबर को आगरा में होने वाले शक्ति सम्मेलन की भी जानकारी दी और कहा कि यह सनातन संस्कृति को बचाने हेतु ऐतिहासिक खुला अधिवेशन शक्ति सम्मेलन होगा। इस दौरान खाड़ी से पहाड़ी तक सामूहिक एकता का अभियान चलेगा। बैठक में मुख्य मुद्दे आरक्षण सिर्फ गरीबों को मिले, यूजीसी के प्रस्तावित नियम वापस हो, 50 वर्ष आयु वाले गरीबों को आयुष्मान कार्ड सुविधा मिले, ईडब्ल्यूएस में सुधार तथा एससी, एसटी ऐक्ट के दुरुपयोग पर रोक पर चर्चा हुई। राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि पद और कद का उपयोग तभी है जब हम लक्ष्य पर निकलें। प्रधानमंत्री मोदी भी आत्मनिर्भर बनने की सलाह देते हैं। अब देशवासियों को आत्मनिर्भर कैसे बनाया जाए, इस पर मंथन होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रीय संगठन मंत्री पंकज सिंह, पप्पू सिंह, मदन प्रसाद सिंह, सुनील कुमार सिंह ने सभी पदाधिकारियों से 13 सितम्बर को वीरों की धरती, बिहार पधारने की अपील की है।

अलीगढ़ एवं गौरखपुर के संस्थानों के निर्माण से छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे-जयवीर

लखनऊ,संवाददाता स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट अलीगढ़ के उच्चीकृत,स्थापना हेतु 4946.87 लाख रूपये की लागत की योजना क्रियान्वित की जा रही है। संस्थान के निर्माण हो जाने के पश्चात प्रतिवर्ष लगभग 1700 ये अधिक युवक युवतियों को परास्नातक डिग्री, परास्नातक डिप्लोमा, स्नातक डिग्री, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट एवं कौशल विकास पाठयक्रमों को मिलाकर 17 प्रकार के कोर्सों में प्रशिक्षणप्रदान किया जाएगा। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट गोरखपुर परिसर में छात्र–छात्राओं एवं स्टाफ से संबंधित आवास के निर्माण हेतु 4681.64 लागत की योजना क्रियान्वित की जा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि केंद्रीयज पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित लघु अवधि के "कौशल विकास व हुनर से रोजगार तक कार्यक्रम" के अंतर्गत अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित कर कुशल बनाया जाएगा। गोरखपुर स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट से पूर्वांचल एवं प्रदेश के दूसरे हिस्सों से आए छात्र–छात्राओं को हॉस्टल आदि की सुविधा सुलभ हो जाने से पठन–पाठन में आसानी होगी। यहां से निकलने वाले छात्र–छात्राएं पर्यटन सहित विभिन्न सेवा क्षेत्रों से जुड़कर रोजगार पाएंगे। राज्य सरकार पर्यटन के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। इसी दृष्टिकोण से प्रदेश के समस्त जनपदों में सांस्कृतिक विरासत जुड़े स्थलों का सौंदर्यीकरण कर बुनियादी सुविधाएं बेहतर की जा रही है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर मुख्यमंत्री ने बुनकरों को किया सम्मानित

लखनऊ,संवाददाता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर संत कबीर राज्यस्तरीय हथकरघा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत बुनकरों व लाभार्थियों को सम्मानित करने के साथ चेक भी दिए। हथकरघा उत्पादों के प्रमुख क्रेताओं के साथ समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान भी किया गया।साड़ी, ब्राकेड एवं ड्रेस मेटेरियल श्रेणी में वाराणसी से जमालुद्दीन को प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफीसूती दरी, ऊनी दरी, आसनी एवं दरेट श्रेणी में सीतापुर से अकील अमहद को प्रथम पुरस्कार – 1 लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी,बेडशीट, बेड कवर एवं होम फर्निशिंग श्रेणी मेंबिजनौर से कफील अहमद को प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफीस्टोल, अंगवस्त्र या अन्य पारंपरिक वस्त्र उत्पाद श्रेणी मेंवाराणसी से प्यारेलाल को प्रथम पुरस्कार – 1 लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति पत्र व ट्रॉफी,झलकारी बाई कोरी हथकरघा एवं पावरलूम विकास योजना के तहत बुनकरों का सम्मान मऊ से सुरेंद्र कुमार 93 हजार रुपये का चेकइटावा से सोनी 93 हजार रुपये का चेक झांसी से मीरा बाई 93 हजार रुपये का चेक मुख्यमंत्री हैंडलूम एवं पावरलूम उद्योग विकास योजना के लाभार्थी मुरादाबाद से गुलाम वारिस 78 हजार रुपये का चेक बरेली से मो. साजिद अंसारी 93 हजार रुपये का चेक मेरठ से जय किशन राजपूत 93 हजार रुपये का चेक प्रदान किया।उत्तर प्रदेश हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग निदेशालय और हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल चेन्नई के बीच एमओयू, दमेरा टाटा ग्रुप बैंगलोर के साथ एमओयू,कार्गो डीटीडीसी के साथ एमओयू,इंटरनेशनल फैशन बिजनेस एक्सचेंज काउंसिल मुंबई के साथ एमओयू और कानपुर के प्रतीक कुमार के साथ एमओयू हुआ ।

राहुल गांधी के आने से बीजेपी पर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं–केशव

लखनऊ,संवाददाता उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रयागराज अथवा उत्तर प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में आने से भारतीय जनता पार्टी पर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी चारों वर्ग भारतीय जनता पार्टी के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं और भाजपा निरंतर जनता के विश्वास के बल पर आगे बढ़ रही है। श्री मौर्य ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में ष्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासष के मंत्र के साथ जो विकास कार्य किए जा रहे हैं, उनका व्यापक और सकारात्मक परिणाम पूरे देश और प्रदेश में दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि जनता का विश्वास लगातार भारतीय जनता पार्टी के प्रति मजबूत हुआ है।

हिन्दी दैनिक

email : manasvivani@gmail.com

दैनिक मनस्वी वाणी

4

देहरादून शनिवार, 08 अगस्त 2026

वार्म–अप मैच से पहले बड़ा झटका

शुभमन चोटिल, पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

शुभमन की चोट पर BCCI का बड़ा अपडेट

कोलंबो। शुभमन गिल अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोटिल हो गए हैं। बीसीसीआई ने एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वार्म–अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा है। उनकी जगह केएल राहुल टीम की कप्तानी कर रहे हैं, जबकि मेडिकल टीम गिल की फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए है। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन (रू ग्) के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म–अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है। गिल को चोट लगी, बीसीसीआई का अपडेट बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, श्कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म–अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।श बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे। कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है। श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉडरू शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म–अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है। गिल को चोट लगी, बीसीसीआई का अपडेट बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, श्कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी।

विश्वकप में किन 3 खिलाड़ियों पर रहेंगी हाशिम अमला की नजरें?

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला ने वनडे विश्वकप 2027 के लिए तीन खिलाड़ियों को चुना है, जिन पर उनकी खास नजर रहेगी। अमला ने भारत के रोहित शर्मा, दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस और ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड को संभावित स्टार बताया है। रोहित का विश्वकप खेलना अभी तय नहीं है, जबकि ब्रेविस दक्षिण अफ्रीका के उभरते सितारे हैं। वहीं, 2023 विश्वकप फाइनल के हीरो ट्रेविस हेड से अमला को 2027 में भी बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है। वनडे विश्वकप 2027 को लेकर सभी टीमों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सभी टीमों में प्रयोगों का दौर जारी है। विश्वकप अगले साल अक्तूबर–नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की मेजबानी में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट को लेकर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज हाशिम अमला ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने आईसीसी से बातचीत में तीन खिलाड़ियों के नाम बताए, जो उन्हें लगता है कि विश्वकप में कमाल कर सकते हैं। इन तीनों पर अमला की नजरें होंगी। अमला ने रोहित का नाम लिया अमला ने जिन तीन खिलाड़ियों के नाम लिए हैं, उनमें भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से एक–एक खिलाड़ी है। अमला ने भारत से रोहित शर्मा को चुना है। हालांकि, रोहित का अभी वनडे विश्वकप में खेलना तय नहीं है। हाल फिलहाल में कई रिपोर्ट्स आईं कि चयनकर्ता उनके विश्वकप में खेलने को लेकर निश्चित नहीं हैं। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर यहां तक अफवाहें फैली थीं कि लॉर्ड्स में वनडे उनका आखिरी वनडे होगा। हालांकि, बाद में बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन रिपोर्ट्स का खंडन किया था।

आठ महीने में 10 भारतीय खिलाड़ियों को लगी चोट

मुंबई। श्रीलंका में अभ्यास के दौरान भारतीय कप्तान शुभमन गिल के दाहिने हाथ के अंगूठे में चोट लग गई। बल्लेबाजी के बाद फील्डिंग प्रैक्टिस में दोबारा चोट लगने के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। पिछले आठ महीनों में करीब 10 भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के बीच बीसीसीआई फिटनेस व्यवस्था की आंतरिक समीक्षा कर रहा है। बोर्ड फिटनेस मानकों में बदलाव और ब्रोंको टेस्ट को ज्यादा प्रभावी तरीके से लागू करने पर भी विचार कर सकता है। भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे से पहले कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने से टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। कोलंबो में अभ्यास के दौरान गिल के दाहिने हाथ की अंगुली पर चोट लगी। इसके बाद उन्हें मेडिकल टीम ने तत्काल जरूरी उपचार दिया। कुछ देर बाद वह नेट्स पर लौटे, लेकिन फील्डिंग प्रैक्टिस के दौरान उनके हाथ में दोबारा चोट लग गई और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें दोबारा मैदान पर नहीं लौटने दिया। वह श्रीलंका के खिलाफ वार्म अप मैच के पहले दिन फील्डिंग के लिए भी नहीं उतरे। गिल की चोट ऐसे समय में सामने आई है, जब भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की फिटनेस और फिजियो से जुड़े मुद्दों को लेकर बहस तेज है। पिछले आठ महीनों में करीब 10 भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) भी फिटनेस व्यवस्था की समीक्षा करने की तैयारी में है। 10 खिलाड़ी चोटिल, बढ़ते मामलों से ठब्ब् भी चिंतित भारतीय टीम में पिछले आठ महीनों के दौरान करीब 10 खिलाड़ियों के चोटिल होने की बात सामने आई है। इनमें जसप्रीत बुमराह, कप्तान शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और हर्षित राणा जैसे नाम शामिल हैं। खिलाड़ियों के बार–बार चोटिल होने को लेकर फिटनेस व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और फिटनेस से जुड़े सपोर्ट स्टाफ के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। बीसीसीआई की ओर से खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन व्यवस्था की आंतरिक समीक्षा कराए जाने की बात भी सामने आई है।

फिजियो विवाद के बीच गिल फिर चोटिल
क्या बदलेंगे BCCI के फिटनेस नियम?

तांबा–एल्यूमीनियम में उछाल, एसी–फ्रिज से स्मार्टफोन तक बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से पहले तांबा, एल्यूमीनियम, जिंक और टिन जैसी धातुओं की कीमतों में तेजी आई है। इसका असर टीवी, फ्रिज, एसी, वाशिंग मशीन, स्मार्टफोन, बर्तनों और वाहनों की कीमतों पर पड़ सकता है। आगामी त्योहारी सीजन में अगर आप नया टीवी, फ्रिज, एसी, वाशिंग मशीन या नईघ्गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो जेब थोड़ी और ढीली करनी होगी।घ्वैश्विक बाजारों में मची उथल–पुथल और आपूर्ति संकट के चलते तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और निकल जैसी औद्योगिक धातुओं की कीमतें तेज रफ्तार से बढ़ी हैं। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का तीन महीने का औसत भाव 1.8 फीसदी तक बढ़कर 14,369.50 डॉलर प्रति टन पहुंच गया, जो 29 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है। इस खबर के बाद भारत में भी तांबे के भाव 2.56 फीसदी उछलकर 1304.90 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। एक महीने पहले यह 1187.85 रुपये प्रति किलोग्राम था। एल्युमीनियम में भी पांच फीसदी की तेजी आई है।घ् दरअसल, कांगो ने कॉपर और कोबाल्ट कंसंट्रेट के निर्यात पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम घरेलू प्रसंस्करण को बढ़ावा देने और अपने खनिज संसाधनों से अधिक मूल्य बनाए रखने के प्रयासों को तेज करने के तहत उठाया गया है। इससे वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गईघ्है। कीमतों में तेजी की वजह चीन और अमेरिका भी पश्चिम एशिया में तनाव के कारण हॉर्मुज से जहाजों की आवाजाही बाधित हो रही है। इस रास्ते से तांबा, एल्युमीनियम और सल्फ्यूरिक एसिड का बड़ा हिस्सा पास होता है। जिंक के वेयरहाउस स्टॉक्स में साल की शुरुआत से अब तक 75 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन देंगे रफ्तार

नई दिल्ली। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2026 के 1.78 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि श्मेक इन इंडियाश्, सरकारी नीतियां और निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी इस वृद्धि की प्रमुख वजह होंगी। भारत का रक्षा उद्योग अगले कुछ वर्षों में तेज रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में 1.78 लाख करोड़ रुपये का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2029 तक बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इसके लिए करीब 19 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (ब्।ळत्) का अनुमान लगाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की श्मेक इन इंडियाश और आत्मनिर्भर भारत जैसी नीतियां, रक्षा बजट में लगातार बढ़ोतरी, घरेलू उत्पादन पर जोर और निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही हैं। स्वदेशी उत्पादन से मजबूत होगा रक्षा उद्योग केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर प्रीतेश राठी का कहना है कि भारत का रक्षा क्षेत्र बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। घरेलू खरीद को प्राथमिकता, उत्पादन क्षमता में विस्तार और लगातार नीतिगत समर्थन से भारत वैश्विक रक्षा आपूर्ति श्रृंखला में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। आयात पर निर्भरता घटी, नई तकनीक पर बढ़ा फोकस रक्षा विशेषज्ञ एडमिरल संतोष गंगावत के मुताबिक, सरकार द्वारा रक्षा बजट बढ़ाने और श्मेक इन इंडियाश को बढ़ावा देने के बाद भारत ने घरेलू रक्षा विनिर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। इससे हथियारों और रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता कम हुई है। हालांकि अत्याधुनिक रक्षा प्लेटफॉर्म और तकनीक के लिए भारत अभी भी कुछ देशों से आयात करता है। रूस पर निर्भरता पहले की तुलना में घटी है, जबकि फ्रांस और इस्राइल जैसे देशों के साथ रक्षा सहयोग बढ़ा है। इन देशों से मिलने वाली आधुनिक तकनीक का उपयोग भारत अपने घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने में कर रहा है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2012 से 2025 के दौरान वैश्विक हथियार आयात का करीब 8.2 प्रतिशत हिस्सा रखते हुए दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम हुई है। 2016–20 की तुलना में 2021–25 के दौरान रक्षा आयात में लगभग चार प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। वहीं भारत के रक्षा आयात में रूस की हिस्सेदारी 2011–15 के लगभग 70 प्रतिशत से घटकर 2021–25 में करीब 40 प्रतिशत रह गई। इसकी प्रमुख वजह फ्रांस और अन्य देशों के साथ रक्षा खरीद का बढ़ता विविधीकरण है। रक्षा निर्यात ने बनाया नया रिकॉर्ड भारत का रक्षा निर्यात भी लगातार नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है।

संक्षिप्त

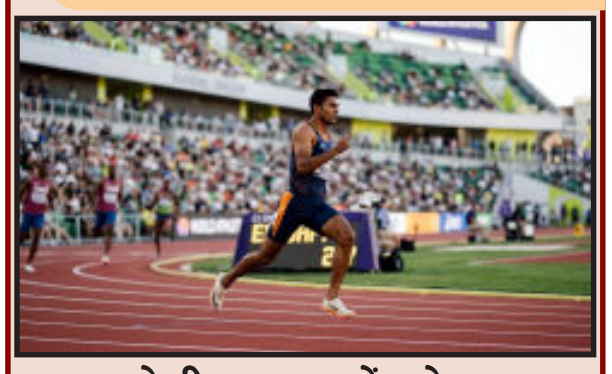

सेमीफाइनल में प्रवेश

मोहम्मद अशफाक ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में अंडर–20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर–20 चौंपियनशिप के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि अमानत कंबोज ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन महिलाओं की चक्का फेंक (डिस्कस थ्रो) के फाइनल में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ छठा स्थान हासिल किया। 19 वर्षीय अशफाक ने पहले दौर की हीट पांच में 45.81 सेकंड का समय लिया। वह अपनी हीट में अमेरिका के जेडन डी लियोन (45.63 सेकंड) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इतिहास उन्होंने कुल मिलाकर चौथे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अशफाक ने इसी वर्ष अप्रैल में बनाए गए अपने ही पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 46.05 सेकंड को बेहतर किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी पीयूष राज हीट छह में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें और कुल मिलाकर 35वें स्थान पर रहने के बाद आगे नहीं बढ़ पाए। महिलाओं के चक्का फेंक के फाइनल में 18 वर्षीय कंबोज ने अपने पहले प्रयास में 53.24 मीटर का थ्रो किया जिससे वह छठे स्थान पर रही। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चीन की सु यिक्सिन ने 61.06 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि अमेरिका की जैसलीन मैसी (58.41 मीटर) और साइप्रस की मरीना हाजिकोस्टा (54.88 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए। पुरुषों की ऊंची कूद में बसंत ने क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप ए में2.14 मीटर की सर्वश्रेष्ठ कूद के साथ पांचवां और कुल मिलाकर 11वां स्थान हासिल करने के बाद फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी के अंबरीश प्रतियोगिता से बाहर हो गए। वह क्वालीफाइंग राउंड ग्रुप बी में केवल 2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके 12वें और कुल मिलाकर 24वें स्थान पर रहे। वह अपने तीनों प्रयास में 2.10 मीटर की ऊंचाई पार करने में असफल रहे। इस बीच महिलाओं के गोला फेंक (शॉट पुट) में अंशु अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में 15.24 मीटर के थ्रो के साथ नौवें और कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। तनु चौधरी अपनी हीट में पांचवें और कुल मिलाकर 33वें स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। उन्होंने 1रू00.03 सेकंड का समय लिया। अमित कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में अपनी हीट में आठवां और अंतिम स्थान हासिल किया। उन्होंने 54.01 सेकंड का समय लिया। पी रॉयशन और धनुष राज दोनों ही पुरुषों की त्रिकूद के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहे। वे क्रमशः 15.20 मीटर और 14.71 मीटर की छलांग लगाकर 25वें और 34वें स्थान पर रहे।

मंत्री टोनी बर्क ने दिलाई शपथ

ऑस्ट्रेलिया ने इस साल मार्च में शरण मांगने वाली ईरान की दो महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान कर दी है। फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रामेजानीसादेह ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि आव्रजन मंत्री टोनी बर्क ने उन्हें एक दिन पहले उनके ऑस्ट्रेलियाई गृह नगर ब्रिस्बेन में नागरिकता समारोह में शपथ दिलाई थी। स्थानीय ईरानी समुदाय के लोगों ने इस समारोह में भाग लिया। रामेजानीसादेह ने बयान में कहा, ''कल का दिन मेरे लिए सचमुच बहुत खास और अविस्मरणीय था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने मुझे अपना जीवन और भविष्य बनाने का अवसर दिया है।'' पसंदिदेह ने कहा, ''बुधवार का दिन मेरे जीवन के सबसे खुशी भरे दिनों में से एक था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनकर मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है। हमने जो कुछ भी झेला है और जिन चुनौतियों का सामना किया है, उसके बाद यह पल मेरे लिए शब्दों से परे है।

पूर्व अधिकारियों ने जताई निराशा

हॉकी अंपायरिंग को बेहद कठिन और संघर्षपूर्ण कैरियर बताते हुए भारतीय दिग्गजों ने नीदरलैंड और बेल्जियम में 15अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप में करीब तीन दशक बाद एक भी भारतीय अंपायर नहीं होने पर निराशा जताते हुए कहा कि अंपायरों की संख्या बढाने की बजाय गुणवत्ता पर फोकस करना होगा। नीदरलैंड के यूट्रेक्ट में 1998 में हुए विश्वकप के बाद पहली बार टूर्नामेंट के अंपायरों या तकनीकी अधिकारियों में किसी भारतीय को जगह नहीं मिली है और सूची में यूरोपीय देशों का बोलबाला है। भारत के आरवी रघु प्रसाद (2010, 2014, 2018, 2023) , सतिंदर शर्मा (2002, 2006, 2010) , तरलोक सिंह भुल्लर (1994) और अमरजीत सिंह बावा (1990) विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके हैं। पिछले साल 47 वर्ष की उम्र होने पर रिटायर होने से पहले ओलंपिक समेत 200 मैचों में अंपायरिंग करने वाले पहले एशियाई रघुप्रसाद ने से बातचीत में कहा ,'' बड़े टूर्नामेंटों में अंपायरों की नियुक्तियां एफआईएच अंपायरिंग समिति करती है जिसके लिये पिछले बड़े टूर्नामेंटों, प्रो लीग वगैरह में प्रदर्शन मानदंड रहता है।'' वहीं कई ओलंपिक और विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके शर्मा ने कहा ,'' बावा सर, भुल्लर सर के बाद मैने और रघु ने यह सिलसिला कायम रखा था। हमने यूरोपीयों के बीच जाकर अपनी पहचान बनाई थी जो आसान नहीं थी।'' उन्होंने कहा ,'' बीजिंग ओलंपिक 2008 में हमारी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन मैं अकेला अधिकारी था जो भारतीय हॉकी का प्रतिनिधि ा था। चयन के लिये प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव काफी मायने रखता है जहां मुझे लगता है कि अब हम पिछड़ रहे हैं।'' हॉकी इंडिया की वेबसाइट पर मई 2025 में अपडेट की गई सूची के अनुसार अंपायरों की चार श्रेणियां 'कोर लीडिंग पैनल', 'लीडिंग पैनल', 'हाई पोटेंशियल' और 'नेशनल अंपायर' हैं जिनमें पुरूष वर्ग में क्रमशरू 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक नाम दर्ज हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक शिल्पी सिंघल द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी.42, सै.7 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, से मुद्रित कराकर 136/2/17 शिवम विहार, राजपुर रोड देहरादून (उत्तराखंड) देहरादून उत्तराखंड से प्रकाशित किया। संपादक शिल्पी सिंघल,
फोन न. 9311450661,9810400661 किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा देहरादून के न्यायालय में ही होगा Email:-manasvivani@gmail.com website : www.manasvivani.com

आरजे महवश

तब अंग्रेजी आती तो थी लेकिन बोलने का कॉन्फिडेंस नहीं था, मुझे बहुत शर्म आती थी

आरजे महविश ने अपनी कहानी सुनाई और कहा– मैं जब अलीगढ़ से नई–नई निकली थी तो अंग्रेजी आती तो थी लेकिन बोलने का कॉन्फिडेंस नहीं था। मुझे बहुत शर्म आती थी। ऑफिस में जब इंग्लिश में लोग तेज–तेज बात कर रहे होते थे तो मैं चुप बैठ जाती थी। उन्होंने कहा– बहुत से लोग थे, जो बॉस के लिए भिंडी लाया करते थे लेकिन मैं नहीं लाती थी। कुछ लोग करियर में आगे बढ़ने के लिए हुनर के साथ खुशामद भी सीख लेते हैं लेकिन आरजे महविश उस स्कूल की छात्रा कभी नहीं रहीं। शायद, यही वजह रही कि बॉस के लिए भिंडी ना लाने वाली यह लड़की कई बार दूसरों से पीछे रह गई, लेकिन रुकी नहीं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के चुनावों से लेकर एक राजनीतिक दल के टिकट के प्रस्ताव तक, उन्होंने कई मोड़ करीब से देखे पर अपनी शर्तों पर फैसले लिए। रेडियो, लेखन और डिजि कुिय

में अपनी पहचान बनाने के बाद अब वह ऐक्टिंग में भी नए रंग दिखा रही हैं, जहां किरदारों को सिर्फ निभाती नहीं, बल्कि जीने की कोशिश करती हैं। श्इसलिए अपने नाम के आगे लगाती हूं त्श्रश आरजे महविश ने कहा– मैं अपने नाम के आगे आरजे ही लिखती हूं। इस नाम के पीछे बहुत बड़ी लड़ाई की कहानी है। मेरी लड़ाई रेडियो स्टेशन से हुई थी। पहली जॉब में आपका खूब खून–पसीना बहा होता है तो मैं वहां पर यही कहकर हटी थी कि तुमने मुझे अपना शो नहीं दिया, मैं इसी नाम से एक दिन फेमस होऊंगी। दरअसल, मैं जब अलीगढ़ से नई–नई निकली थी तो अंग्रेजी आती तो थी लेकिन बोलने का कॉन्फिडेंस नहीं था। मुझे बहुत शर्म आती थी। ऑफिस में जब इंग्लिश में लोग तेज–तेज बात कर रहे होते थे तो मैं चुप बैठ जाती थी। उन्हें लगता था कि भाषा ही काबिलियत है और मेरे अंदर काबिलियत थोड़ी कम है। उसे दुनिया के सामने प्रूफ करते–करते थोड़ा वक्त लग जाता है। मेरे हिसाब से उन्होंने मुझे इसलिए शो नहीं दिया था कि उन्हें लगा कि यहां हिंदी में नहीं बात होती, इंग्लिश में बात होती है पर वो इंग्लिश चौनल नहीं था, वो हिंदी चौनल था। फिर भी आपको आपकी भाषा से जज किया जाता है। बहुत से लोग थे, जो बॉस के लिए भिंडी लाया करते थे लेकिन मैं नहीं लाती थी। जो भिंडी लाने वाले थे, वो जीत गए और मैं पीछे रह गई। मैं अकेली रहती थी तो अपने लिए ही भिंडी बना लूं, वही बहुत बड़ी बात थी, बॉस के लिए कहां से लाऊंगी। हालांकि, मैं वहां से यह कहकर निकली थी कि मैं उसी नाम से फेमस होऊंगी और आज वो बधाई देने आते हैं तो मुझे लगता है कि कुछ है, जो मैंने साबित किया है। मैं जब अलीगढ़ से नई–नई निकली थी तो अंग्रेजी आती तो थी लेकिन बोलने का कॉन्फिडेंस नहीं था। मुझे बहुत शर्म आती थी। ऑफिस में जब इंग्लिश में लोग तेज–तेज बात कर रहे होते थे तो मैं चुप बैठ जाती थी। उन्हें लगता था कि भाषा ही काबिलियत है और मेरे अंदर काबिलियत थोड़ी कम है। बहुत से लोग थे, जो बॉस के लिए भिंडी लाया करते थे लेकिन मैं नहीं लाती थी। जो भिंडी लाने वाले थे, वो जीत गए और मैं पीछे रह गई। एक पॉलिटिकल पार्टी का ऑफर भी आया था रेडियो और डिजिटल में मैंने अपनी खुद की आवाज, लहजा और भाषा क्रिएट की। वहीं, जब ऐक्टिंग में कोई किरदार निभाती हूं तो उसका बदलाव सारा कहानी में दर्ज होता है। किरदार को जो भी ऐक्टर जितना घोंटकर पी सकता है, जितनी उस पर रिसर्च हो सकती है, करनी चाहिए। मैं यूपी (अलीगढ़) के कल्चर से आती हूं। मुझे इस सीरीज में ऐक्टिंग करने में कोई परेशानी नहीं हुई। मैं जानती हूं कि किस पावर और कास्ट सिस्टम की हम बात कर रहे हैं। मैंने बड़े होते हुए हमेशा ये सब देखा है। मैं अलीगढ़ में जब रहती थी, तब भी सही–गलत बहुत साफ–साफ दिखता था। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मैं इलेक्शन में खड़ी हुई थी। यह बहुत कम लोगों को पता है। फिर मुझे बाद में एक पार्टी का टिकट भी आया था। फिर वो कहानी चली और कुछ और हो गई। वहां लड़ाइयां–झगड़े ज्यादा बढ़ गए। उसमें मेरे भाई को गोली लग गई थी। मैंने उस दिन से कभी पॉलिटिक्स में दोबारा कदम नहीं रखा। मैं अपने पर खतरा ले सकती हूं लेकिन घरवालों पर नहीं। वो सच्चाई को ना छुपाने वाला कीड़ा होता है ना वो मुझमें है।

बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा ऐक्टिंग में आकर मुझे सबसे पहले बजट का टेंशन अनलर्न करना पड़ा क्योंकि प्रोडक्शन में बहुत बजट का टेंशन होता है। प्रोडक्शन के साथ जब मैं ऐक्टिंग कर रही होती थी तो मुझे ऐसा लगता था कि बार–बार लाइट जा रही है, जनरेटर चल रहा है, बजट बढ़ जाएगा, लोकेशन का खर्चा बढ़ रहा है, वैनिटी वैन तीन–तीन लगवा दीं, ये क्या हो रहा है। मुझे सबसे पहले यही अनलर्न करना पड़ा क्योंकि बिहाइंड द सीन्स में मैं बजट में फंसी रहती थी। वो अनलर्न करके मैंने 'सतरंगी' में फाइनली पूरी खुलकर ऐक्टिंग की है। हालांकि, इसे करते वक्त मेरे अंदर जिम्मेदारी का डर था। मुझे जिंदगी में पहली बार इतना बड़ा मौका मिला। मुझे ऐसा किरदार और कहानी मिली, जो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं बल्कि एक सोशल मेसेज भी देती है। इससे आप सोसायटी में चेंज भी ला सकते हैं। अगर एक फैमिली भी बैठकर सीरीज पर चर्चा करती है तो यह मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट होगी। जो फॉलोअर्स हैं, वो फॉलोअर्स नहीं फैन हैं रील्स के बाद असली ऐक्टिंग की दुनिया में आने पर मुझे लगा था कि दुनिया के सामने खुद को साबित करना पड़ेगा।

इंडस्ट्री पार्टीज में ड्रग का बजट बनता है- एक्ट्रेस

क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कुसुम और कोई अपना सा जैसे कई सुपरहिट टीवी शोज में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री ने हाल ही में टीवी इंडस्ट्री और एक्टर्स के नशे करने से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने खुद भी कबूला है कि वो सभी तरह के नशे कर चुकी हैं। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने ये भी दावा किया है कि टीवी इंडस्ट्री की पार्टीज के लिए ड्रग का बजट बनता था, कई बार तो शूटिंग तक कैंसिल करना पड़ता था। एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री ने हाल ही में सिद्धार्थ कानन के पॉडकास्ट में सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि ड्रग्स ही एक्टर की मौत की वजह बने। उन्होंने कहा– 'उन्होंने आत्महत्या क्यों की ये मेरी समझ से परे है। लेकिन मुझे लगता है ड्रग्स ही वजह है। पहले हमारी इंडस्ट्री में पार्टी का बजट होता था कि दारू का कितना बजट होगा। अब ड्रग्स का बजट होता है।' आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'आप इसे पसंद करें या न करें, लेकिन मैं खुद भी देखकर शॉक थी कि ड्रग्स का बजट होता है। इसलिए बहुत सालों से मैंने पार्टी करना बंद कर दिया है। अब वो पार्टियां नहीं होतीं कि गाना लगा है चलो डांस करें, अब पार्टीज कुछ अलग होती हैं, पूरी तरह।'एक्ट्रेस ने दावा किया है कि टीवी इंडस्ट्री की बड़ी पार्टीज में खुलेआम ड्रग्स इस्तेमाल नहीं होता, लेकिन छोटी पार्टीज में ओपनली ड्रग्स इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा– 'हर कोई जानता है कि सब नशे करते हैं। मैं पर्सनली नहीं जानती कि कौन नशे करता है, लेकिन मैं ऐसी जगह गई हूं, जहां मैंने लोगों को ड्रग्स लेते देखा है।'

कल्याणी प्रियदर्शन करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

साल 2025 के अंत में फिल्म श्धुरंधरश से धूम मचाने वाले रणवीर सिंह 2026 में इसका दूसरा पार्ट लेकर आए थे. इसने पहले पार्ट से भी ज्यादा तगड़ी कमाई की थी. इसकी सफलता के बाद खबरें आई थीं कि रणवीर अब श्प्रलयश नाम की फिल्म में नजर आएंगे. वहीं अब बताया जा रहा है कि उनकी इस फिल्म को हीरोइन भी मिल गई है. फिल्म श्लोकाः चौप्टर 1श से सुर्खियों में आईं एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन रणवीर के अपोजिट प्रलय में नजर आएंगी. रणवीर की श्प्रलयश में कल्याणी प्रियदर्शन की एंट्री मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि कल्याणी का नाम प्रलय के लिए फाइनल कर लिया गया है. इस बिग बजट जॉम्बी थ्रिलर में कल्याणी खतरनाक स्टंट करती हुई नजर आएंगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक रणवीर की बिग बजट फिल्म के लिए इंटरनेशनल स्टंट मास्टर्स और एक्शन कोआर्डिनेटर्स की मदद ली जाएगी. ये कल्याणी के साथ–साथ रणवीर सिंह को भी ट्रेनिंग देंगे. कल्याणी प्रियदर्शन का होगा बॉलीवुड डेब्यू बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन दिग्गज फिल्म डायरेक्टर प्रियदर्श की बेटी हैं. 33 साल की कल्याणी ने साल 2025 में आई फिल्म श्लोकारू चौप्टर 1 से खूब सुर्खियां बटोरी थी. ये फिल्म बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी और कल्याणी को इससे जबरदस्त फेम मिल गया था. साउथ में अपनी पहचान बना चुकी कल्याणी अब हिंदी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं.

दर्द और बदले की कहानी लेकर आया आवारापन 2 का ट्रेलर,19 साल बाद लौटे शिवम पंडित

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार आवारापन 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। करीब 19 साल बाद इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में वापसी कर रहे हैं। विशेष फिल्म्स द्वारा जारी किए गए इस ट्रेलर में जबरदस्त एक्शन, इमोशन, बदला और मुक्ति की कहानी की झलक देखने को मिलती है। ट्रेलर का डार्क और सिनेमाई अंदाज दर्शकों का ध्यान खींच रहा है। ट्रेलर में इमरान हाशमी पहले से ज्यादा परिपक्व, दर्द से भरे और बदले की आग में जलते नजर आते हैं। उनका किरदार शिवम पंडित वहीं से कहानी आगे बढ़ाता है, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। ट्रेलर देखकर साफ है कि इस बार कहानी पहले से ज्यादा इमोशनल और दमदार होने वाली है। फिल्म में दिशा पाटनी जारा के किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी में एक नया भावनात्मक पहलू जोड़ती हैं। वहीं शबाना आजमी श्नफीसाश के रोल में अपने दमदार अंदाज से प्रभावित करती दिखाई देती हैं। इसके अलावा फिल्म में पूरन गब्बी (जोरावर), अनिरुद्ध रावल (सिकंदर), सुरेंद्र विक्की (जयदीप), विजयंत कोहली (महमूद) और अतुल कुमार (समर्थ) भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। आवारापन 2 का संगीत भी इसकी सबसे बड़ी खासियतों में से एक है। फिल्म के गानों को मिथून, जीत गांगुली, अमाल मलिक, अंकित सचदेव और वासिफ अहमद ने कंपोज किया है। वहीं गीत सईद कादरी, रश्मि विराग, अखिल सचदेवा और सचिन सिंह चंदेल ने लिखे हैं। फिल्म के गाने वे जुनून, ये आवारापन और श्तो फिर आओश पहले ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय हो चुके हैं। ट्रेलर में बैकग्राउंड में बजता तेरा मेरा रिश्ता गाना कहानी के भावनात्मक पक्ष को और मजबूत बनाता है। इस गीत को मिथून ने कंपोज किया है, जबकि इसे साज भट्ट और सुबोध शर्मा ने अपनी आवाज दी है। आवारापन 2 का निर्माण विशेष भट्ट ने किया है। फिल्म का निर्देशन नितिन कक्कड़ ने किया है, जबकि इसकी कहानी बिलाल सिद्दीकी ने लिखी है। मुकेश भट्ट और विशेष फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। भारत में फिल्म का थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन पेन मरुधर द्वारा किया जाएगा।

बढ़ते जलस्तर का असर घाटों पर दिखने लगा, प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है

वाराणसी। वाराणसी में शुक्रवार को गंगा का जलस्तर बहुत तेजी से बढ़ता चला जा रहा हैं। गंगा का जलस्तर लगभग 62.72 मीटर तक पहुंच गया। जल संसाधन विभाग के अनुसार नदी का स्तर करीब 5 सेंटीमीटर प्रति घंटे की गति से बढ़ रहा है। पिछले 12 घंटों में जलस्तर में करीब 30 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान स्तर चेतावनी और खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन लगातार बढ़ते पानी को देखते हुए प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बढ़ते जलस्तर का असर शहर के कई प्रमुख घाटों पर दिखाई देने लगा है। दशाश्वमेध घाट, अस्सी घाट, राजेंद्र प्रसाद घाट, पांडेय घाट, चौसट्टी घाट, अहिल्याबाई घाट, शीतला घाट, त्रिपुरा भैरवी घाट, ललिता घाट, गाय घाट, पंचगंगा घाट सहित कई घाटों की निचली सीढ़ियां पानी में डूब चुकी हैं। गंगा किनारे बने छोटे–छोटे मंदिर भी जलमग्न हो गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित होने लगी है। हरिश्चंद्र घाट स्थित शवदाह स्थल के समीप तक गंगा का पानी पहुंच चुका है। जबकि शिवाला घाट का संपर्क कुछ हिस्सों से प्रभावित बताया जा रहा है। नदी में बड़ी मात्रा में

जलकुंभी बहकर आने से नाव संचालन और घाटों पर आवागमन में भी दिक्कतें बढ़ी हैं। जल पुलिस, एनडीआरएफ, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य संबंधित एजेंसियां लगातार हालात की निगरानी कर रही हैं। आपदा मित्रों की टीमें भी तटीय क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दे रही हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन गंगा के लगातार बढ़ते जलस्तर ने प्रशासन, नाविक समाज और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता जरूर बढ़ा दी है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, प्रशासन की सलाह का पालन करें और सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन करें। नाविक समाज ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गंगा में अनावश्यक रूप से गहरे पानी में न जाएं तथा नौकायन के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें। प्रशासन और नाविक समाज के संयुक्त प्रयासों से श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

20वें फ्लोर पर मची चीख-पुकार, सोसायटी में लगी भीषण आग, खराब फायर सिस्टम देख बिल्डर पर भड़के लोग

नोएडा,संवाददाता ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में 20वें फ्लोर के कॉमन एरिया में अचानक तारों में आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग लगते ही सोसायटी में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि रेजिडेंट्स और सुरक्षा कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने घटना की जानकारी दी और बताया कि,घटना की सूचना मिलते ही फायर सर्विस यूनिट तत्काल मौके पर पहुंची। जब तक दमकल की टीम मौके पर पहुंची, तब तक स्थानीय लोगों ने आग को पूरी तरह बुझा दिया था। इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और स्थिति पूरी तरह सामान्य एवं शांतिपूर्ण है। आग सन टावर–3 के 20वें फ्लोर के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में लगी थी। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आग अन्य हिस्सों में फैलने से रोक दी गई और बड़ी क्षति होने से बचाव हो गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। रेजिडेंट्स का आरोप है कि सोसायटी का फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिसके चलते हर बार बड़ा खतरा बना रहता है। इस घटना के बाद निवासियों में बिल्डर और सोसायटी प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिली। सूरजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मिग्सन सोसायटी के 20वें फ्लोर पर तारों में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही फायर सर्विस यूनिट तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पहले ही आग बुझा दी गई थी। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है तथा शांति व्यवस्था स्थापित है। घटना के बाद रेजिडेंट्स ने सोसायटी में फायर सेफ्टी सिस्टम की तुरंत जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट कराने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

भूजल दोहन पर करप्शन फ्री इंडिया का प्रदर्शन

नोएडा,संवाददाता ग्रेटर नोएडा में करप्शन फ्री इंडिया संगठन ने शुक्रवार दोपहर को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन गौतम बुद्ध नगर में बड़े पैमाने पर हो रहे भूजल दोहन और धड़ल्ले से बिक रही नकली खाद्य सामग्री के विरोध में था। संगठन ने इन समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी अरुण कुमार को सौंपा। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय और आलोक नागर ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र में निजी बिल्डर बड़े पैमाने पर भूजल का दोहन कर रहे हैं, जिससे प्राकृतिक जल स्रोत नष्ट हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद जिला प्रशासन और भूजल विभाग भूजल संरक्षण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। चौधरी प्रवीण भारतीय ने यह भी बताया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और ग्रामीण क्षेत्रों में नकली दूध, घी, पनीर, खोया, मिठाइयां और अन्य मिलावटी तथा दूषित खाद्य पदार्थ बड़े स्तर पर बेचे जा रहे हैं। इन मिलावटी उत्पादों के कारण लोगों का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा है। मास्टर दिनेश नागर ने जानकारी दी कि दादरी, सूरजपुर, बिलासपुर, दनकौर, रबूपुरा, जेवर, नोएडा के विभिन्न सेक्टरों, ग्रेटर नोएडा, तुगलपुर, कासना, जगत फार्म और जनपद के कई अन्य क्षेत्रों में मिलावटी खाद्य सामग्री खुलेआम बेची जा रही है। इन खाद्य पदार्थों के सेवन से आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। संगठन ने बताया कि यह प्रदर्शन अगस्त क्रांति 2026 आंदोलन का हिस्सा है। करप्शन फ्री इंडिया संगठन पूरे अगस्त महीने में विभिन्न सरकारी विभागों के खिलाफ अलग–अलग मुद्दों पर प्रदर्शन करेगा। इस प्रदर्शन के दौरान बलराज हूंन, दिनेश मास्टर, शिवकुमार कसाना, प्रेमराज भाटी, दुलीचंद नागर, पवन यादव, लखमी पंडित, आकाश नागर जग्गू प्रमुख, कमल नागर, राजे नागर, नबाब सिंह नागर, सुशील नागर, नितिन नागर, मोहित नागर, महेश नागर, निशांत तिवारी, तेजवीर चौहान, विजय प्रताप, मलखान यादव, वरुण नागर शेखर नागर, शादीराम, हुकुम सिंह, पुष्पेंद्र पंडित, राजपाल भाटी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

बारिश से अंडरपास में फंसी एंबुलेंस,लोगों ने धक्का देकर निकाला

नोएडा,संवाददाता नोएडा में शुक्रवार सुबह से रुक–रुक कर बारिश हो रही है। बारिश के कारण जगह–जगह जलभराव हो गया है। सेक्टर–95 अंडरपास में 3 से 4 फीट तक पानी भर गया, जिससे एक एंबुलेंस बीच रास्ते में फंस गई। गनीमत की बात यह रही कि एंबुलेंस में कोई मरीज नहीं था। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद लोगों और कर्मचारियों की मदद से एंबुलेंस को बाहर निकाला गया। सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जनरेटर लगाकर पानी निकालने का काम शुरू किया। जलभराव की वजह से कुछ समय तक इस रास्ते से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सिर्फ सेक्टर–95 ही नहीं, शहर के सर्फाबाद, बरौला, सलारपुर और भंगेल जैसे इलाकों में भी पानी भर गया।

एएमयू के जेएन मेडिकल कालिज में औषधि सुरक्षा के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

अलीगढ़,संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालिज में रोगियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय औषध संहिता आयोग के भारत औषधि सतर्कता कार्यक्रम के अंतर्गत औषधि सुरक्षा के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन आज किया गया। यह केंद्र दवाओं की सुरक्षा की निगरानी तथा औषधि सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्र का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर नइमा खातून ने किया। इस अवसर पर सहकुलपति प्रोफेसर मोहम्मद मोहसिन खान, चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर मोहम्मद खालिद, जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कालिज के प्राचार्य एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर अंजुम परवेज, एमआईसी जनसंपर्क कार्यालय प्रोफेसर विभा शर्मा तथा औषधि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद जियाउर रहमान सहित अनेक शिक्षक एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर नइमा खातून ने कहा कि इस क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना सुरक्षित और विवेकपूर्ण दवा उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में दवाओं की सुरक्षा और प्रभावशीलता की निरंतर निगरानी अत्यंत आवश्यक है। यह केंद्र रोगी सुरक्षा को मजबूत करने के साथ–साथ अनुसंधान, प्रशिक्षण और वैज्ञानिक आधार पर चिकित्सा पद्धति को भी बढ़ावा देगा। सहकुलपति प्रोफेसर मोहम्मद मोहसिन खान ने औषधि विज्ञान विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठित केंद्र की स्थापना से क्षेत्र में रोगी सुरक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को नई मजबूती मिलेगी। चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर मोहम्मद खालिद ने इसे विश्वविद्यालय की चिकित्सा व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह केंद्र औषधि सुरक्षा संबंधी शिक्षा को मजबूत करेगा, वैज्ञानिक आधार पर उपचार को प्रोत्साहित करेगा तथा स्वास्थ्यकर्मियों को रोगी सुरक्षा के उच्च मानकों के अनुरूप कार्य करने के लिए तैयार करेगा। जेएन मेडिकल कालिज के प्राचार्य प्रोफेसर अंजुम परवेज ने कहा कि दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों की समय पर जानकारी देना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र चिकित्सकों में सतर्कता बढ़ाने और रोगियों के लिए अधिक सुरक्षित उपचार व्यवस्था विकसित करने में सहायक होगा। औषधि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद जियाउर रहमान ने बताया कि यह केंद्र औषधि सुरक्षा को बढ़ावा देने, दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों की सूचना देने की व्यवस्था को मजबूत करने तथा चिकित्सकीय सतर्कता की संस्कृति विकसित करने के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

एएमयू ने जिला कारागार की महिला बंदियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाया

अलीगढ़,संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के यूनानी चिकित्सा संकाय के अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के निसवां व कबालत विभाग ने विश्व स्तनपान सप्ताह–2026 के अंतर्गत जिला कारागार, अलीगढ़ में महिला स्वास्थ्य एवं स्तनपान जागरूकता शिविर आयोजित किया। यह शिविर दवाखाना तिब्बिया कॉलेज और सक्षम भारत फाउंडेशन के सहयोग से लगाया गया। शिविर का उद्देश्य महिला बंदियों और कारागार की महिला कर्मचारियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, स्तनपान, महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण तथा रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक करना था। इस पहल के माध्यम से विश्वविद्यालय ने समाज के वंचित वर्गों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और स्वास्थ्य शिक्षा पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। शिविर की समन्वयक डॉ. फहमीदा जीनत ने स्तनपान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह माँ और शिशु दोनों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, उसके स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने तथा माँ और बच्चे में विभिन्न बीमारियों के खतरे को कम करने के उपायों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कारागार के अधीक्षक पंकज कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर उपाधीक्षक राजेंद्र कुमारी, उपकारापाल सुमरा अंसारी तथा अन्य कारागार अधिकारी उपस्थित रहे। निसवां व कबालत विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सुबूही मुस्तफा ने कहा कि विभाग विशेष रूप से वंचित और जरूरतमंद वर्ग की महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से जागरूकता और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। शिविर में स्नातकोत्तर चिकित्सकों की टीम ने महिला बंदियों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें व्यक्तिगत परामर्श दिया तथा प्रसूति एवं स्त्री रोग संबंधी समस्याओं के बारे में चिकित्सकीय सलाह प्रदान की। कारागार की महिला कर्मचारियों को भी निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण और विशेषज्ञों से परामर्श का लाभ मिला। दवाखाना तिब्बिया कॉलेज की ओर से रक्तवर्धक, गर्भाशय को सुदृढ़ बनाने वाली तथा सामान्य रोगों की यूनानी औषधियों का निःशुल्क वितरण किया गया। लाभार्थियों को आवश्यक पोषण सामग्री भी उपलब्ध कराई गई। विशेषज्ञों ने स्तनपान कराने की सही विधि और शिशु को गोद में रखने की उचित स्थिति का प्रदर्शन किया, विशेष रूप से शल्य प्रसव के बाद माताओं के लिए उपयोगी तरीकों की जानकारी दी।

बरेका महाप्रबंधक ने कर्मशाला का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए निर्देश

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने कर्मशाला का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शीट मेटल शॉप, लोको फ्रेम शॉप, लोको असेंबली शॉप एवं लोको टेस्ट शॉप का निरीक्षण कर वहां चल रहे कार्यों की प्रगति एवं लोको उत्पादन गतिविधियों का जायजा लिया। महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने अमृत भारत (पुश–पुल) लोको के कैब का भी निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्माण प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिया। उन्होंने उत्पादन कार्यों में निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर मनीष कुमार, प्रमुख मुख्य इंजीनियर शैलेंद्र कुमार सिंह, मुख्य विद्युत इंजीनियर अरविंद कुमार जैन, उप महाप्रबंधक सागर, उप मुख्य विद्युत इंजीनियर सुदीप रावत एवं उप मुख्य इंजीनियर साकेत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

महापौर ने चितईपुर मार्ग का किया निरीक्षण, अधिकारियों को यातायात सुचारु कराने के निर्देश

वाराणसी। चितईपुर मार्ग पर बरसात के चलते गड्ढों में पानी भरने और आवागमन बाधित होने पर महापौर अशोक कुमार तिवारी ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया।

सड़क की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को तत्काल गड्ढे भरकर यातायात सुचारु कराने के निर्देश दिए। महापौर और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने चेतावनी दी कि मरम्मत कार्य में लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों की शिकायत शासन से की जाएगी। निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और जलकल विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक

वाराणसी। शिवसेना के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने शुक्रवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में बाबा विश्वनाथ का विधि–विधान से जलाभिषेक और पूजन–अर्चन किया। इस दौरान मंदिर परिसर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा और कार्यकर्ताओं ने देश, प्रदेश व समाज के सुख–समृद्धि की कामना की। पूजन के बाद कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सेवा भी की। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन में जलाभिषेक और शिवभक्तों की सेवा उनकी वर्षों पुरानी परंपरा है। शिवसेना नेता अजय चौबे ने कहा कि संगठन हर वर्ष श्रद्धाभाव के साथ बाबा विश्वनाथ की सेवा में जुटता है। सावन में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के सहयोग, मार्गदर्शन और सेवा के लिए स्वयंसेवक पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं।

अनियंत्रित होकर दुकान में घुसा टैंकर, ड्राइवर की मौत

नोएडा,संवाददाता ग्रेटर नोएडा के बादलपुर क्षेत्र में गुरुवार देर रात करीब 11 बजे सरिया से लदा एक टैंकर अनियंत्रित होकर जीटी रोड किनारे स्थित एक किराना दुकान में जा घुसा। हादसे में केबिन में फंसे चालक की मौत हो गई। पुलिस और दमकल विभाग ने काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसा थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला में जीटी रोड पर एक निजी स्कूल के सामने हुआ। पुलिस के अनुसार, सिकंदराबाद से रोहतक जा रहा सरिया से लदा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर महेश किराना स्टोर में घुस गया। टक्कर इतनी तेज थी कि कैंटर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही बादलपुर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया था। उसे निकालने के लिए दमकल विभाग की टीम और हाइड्रा मशीन की मदद ली गई। काफी देर की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया। घायल चालक को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नरेश कुमार (25), पुत्र रामचंद्र सिंह, निवासी ग्राम बड़ापुरा, थाना सोरों, जिला कासगंज के रूप में हुई है। बादलपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एएमयू के उर्दू विभाग में प्रेमचंद की समकालीन प्रासंगिकता पर साहित्यिक गोष्ठी

अलीगढ़,संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में प्रेमचंद की समकालीन प्रासंगिकता विषय पर एक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों और विद्यार्थियों ने महान उपन्यासकार एवं कथाकार प्रेमचंद की साहित्यिक विरासत और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर कमरुल हुदा फरीदी ने कहा कि समय बीतने के बावजूद प्रेमचंद का साहित्य आज भी उतना ही प्रभावशाली है, क्योंकि उनकी रचनाएं भारतीय समाज और मानवीय जीवन की वास्तविकताओं से गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्ष 1880 से 1936 के बीच के अपने जीवनकाल में प्रेमचंद ने सैकड़ों कहानियां, अनेक उपन्यास, अनुवाद और निबंध लिखे, जिनमें सामाजिक सरोकार और साहित्यिक उतकृष्टता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। मुख्य वक्ता मशहूर कथाकार प्रोफेसर तारिक छतारी ने कहा कि प्रेमचंद को केवल यथार्थवादी लेखक कहना उनके साहित्यिक व्यक्तित्व का पूरा परिचय नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद मानव मन के गहरे अध्येता थे और उनके पात्रों का सजीव चित्रण आज भी पाठकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। प्रोफेसर इम्तियाज अहमद ने प्रेमचंद की कथा–शैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य के विद्यार्थियों के लिए उनके लेखन से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि विश्व साहित्य के व्यापक अध्ययन ने प्रेमचंद की रचनात्मक दृष्टि को समृद्ध किया और उनकी रचनाओं में नैतिक मूल्यों तथा सामाजिक सुधार की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। डॉ. खालिद सैफुल्लाह ने युवा कथाकारों से प्रेमचंद की रचनाओं का गंभीर अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि उनकी कृतियां कहानी लेखन की कला सीखने का अमूल्य स्रोत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रेमचंद ऐसे विरले साहित्यकार हैं, जिन्हें उर्दू और हिन्दी दोनों भाषाओं के पाठकों का समान स्नेह और सम्मान प्राप्त है। डॉ. मोइदुर्रहमान ने कहा कि महान साहित्यकार अपने समय की सीमाओं से ऊपर उठ जाते हैं और उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों का भी मार्गदर्शन करती रहती हैं। प्रेमचंद ऐसे ही कालजयी साहित्यकार हैं। कार्यक्रम का समापन डॉ. खालिद सैफुल्लाह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।